जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 97 प्रभात कोटा, सोमवार 19 जनवरी, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

## तृणमूल सरकार का घुसपैठियों को संरक्षण, सुरक्षा से खिलवाड़ है- मोदी

### प्रधानमंत्री ने हुगली में विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए ममता सरकार को कठघरे में खड़ा किया

- प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ, कानून व्यवस्था की बदहाली, भ्रष्टाचार और केन्द्र सरकार की योजनाओं को रोकने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सीधे जिम्मेदार ठहराया।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि शायद पिछले 100 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ है, जब 24 घंटे के भीतर बंगाल की रेल संरचना को लेकर इतने बड़े फैसले लिए गये हों।

कोलकाता/नयी दिल्ली, 18 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि तृणमूल सरकार घुसपैठियों को संरक्षण देकर बंगाल और देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है, क्योंकि ये घुसपैठिए उनके लिये पक्का वोट बैंक हैं।

मोदी ने रविवार को हुगली में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राज्य में अवैध घुसपैठ, कानून-व्यवस्था की बदहाली, भ्रष्टाचार और केन्द्र सरकार की योजनाओं को रोकने को लेकर मुख्यमंत्री को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए पूर्वी भारत का विकास बेहद जरूरी है और इसी सोच के साथ केन्द्र सरकार निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा "कल मैं मालदा में था और आज हुगली में आप सभी के बीच हूं। पिछले 24 घंटे पश्चिम बंगाल के रेल और आधारभूत ढ ांचे के विकास के लिए ऐतिहासिक रहे हैं।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सिंगुर की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब इस बात का संकेत है कि पश्चिम बंगाल बदलाव चाहता है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोग 15 साल के महा-जंगलराज से मुक्ति चाहते हैं। जैसे बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने जंगलराज को रोका, वैसे ही बंगाल अब तृणमूल के महा-जंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है।

मोदी ने अवैध घुसपैठ को बंगाल की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि तृणमूल सरकार घुसपैठियों को खुली छूट दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल घुसपैठियों के समर्थन में धरने-प्रदर्शन तक करती है, क्योंकि वह उनके लिए वोट बैंक हैं और सरकार को देश तथा बंगाल की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है। यह सरकार घुसपैठियों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने बंगाल के युवाओं से विशेष रूप से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि राज्य की सुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जा सकती।

मोदी ने बताया कि पश्चिम बंगाल से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरुआत हो चुकी है। इसके अलावा, बंगाल को करीब आधा दर्जन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिली हैं, जिनमें से तीन ट्रेनें आज ही शुरू की गई हैं। इनमें एक ट्रेन उनके संसदीय क्षेत्र काशी को बंगाल से जोड़ने वाली है और अन्य ट्रेनें दिल्ली और तमिलनाडु के लिए चलाई गई हैं।

उन्होंने कहा कि शायद पिछले 100 वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है, जब 24 घंटे के भीतर बंगाल की रेल संरचना को लेकर इतने बड़े फैसले लिए गए हों।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## ट्रंप के विरोध में ग्रीनलैंड व डेनमार्क में विशाल विरोध प्रदर्शन

कोपेनहेगन, 18 जनवरी। ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने के अमेरिकी प्रयासों और बयानों के विरोध में डेनमार्क और ग्रीनलैंड के कई शहरों में विशाल विरोध प्रदर्शन देखने को मिले हैं।

डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के सिटी हॉल स्क्वायर पर शनिवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 4:30 बजे) भारी भीड़ जमा हुई, जिसने अमेरिकी दूतावास तक मार्च निकाला।

- ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में हुए प्रदर्शन में प्रधानमंत्री निल्सन भी शामिल हुए।

इस प्रदर्शन में डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों देशों के नागरिक शामिल हुए, जो अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए थे।

इस बीच ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में भी दोपहर से ही लोग जुटना शुरू हो गए और "ग्रीनलैंडवासियों का है ग्रीनलैंड" के नारे लगाए। इस प्रदर्शन में ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक निल्सन भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने पारंपरिक इनुइट गीत गाए और कई लोग "मेक अमेरिका गो अवे" (अमेरिका को वापस भेजो) लिखी हुई टोपियां पहने नजर आये।

## यूरोपीय यूनियन ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर रोक लगाई

### अमेरिका द्वारा यूरोपीय यूनियन व डेनमार्क पर आयात शुल्क की घोषणा के बाद यह कदम उठाया गया

- ईयू के नेताओं ने डेनमार्क व ग्रीनलैंड को पूर्ण समर्थन दोहराते हुए कहा कि संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता ऐसे सिद्धांत हैं, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

ब्रुसेल्स, 18 जनवरी। ग्रीनलैंड मामले में अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईयू ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी है।

ईयू ने यह कदम डेनमार्क और संघ के कई देशों पर अमेरिका द्वारा आयात शुल्क लगाने की चेतावनी के बाद उठाया है। ईयू के नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ये आयात शुल्क संघ और अमेरिका के संबंधों को नुकसान पहुँचा सकते हैं। साथ ही, उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता ऐसे सिद्धांत हैं, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि जुलाई 2025 में प्रस्तावित समझौते को आयात शुल्क कम करने और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया था। हालांकि ग्रीनलैंड पर ट्रंप के रुख और आयात शुल्क लगाने की उनकी चेतावनी के बाद संघ ने इस प्रस्तावित समझौते के अनुमोदन को रोकने का आ ान किया है।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड के रणनीतिक स्थान और खनिज संसाधनों को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए चेतावनी दी, "एक फरवरी 2026 से, उपर्युक्त सभी देशों द्वारा अमेरिका को भेजे जाने वाले सभी सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। एक जून 2026 को यह शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा। यह तब तक लागू रहेगा, जब तक ग्रीनलैंड को खरीदने के लिए कोई समझौता नहीं हो जाता।"

यूरोपियन पीपल्स पार्टी के उपाध्यक्ष सिगफ्राइड मूरसन और अन्य यूरोपीय अधिकारियों ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घोषणा उस स्थिरता को कमजोर करती है, जिसे सुनिश्चित करने के लिए यह व्यापार समझौता किया गया था।

मूरसन ने कहा, "पिछले साल अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते से स्थिरता ही एकमात्र लाभ होता। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कई ईयू सदस्य देशों पर नए आयात लगाने की आज की घोषणा उस स्थिरता को छीन लेती है। यही कारण है कि उस व्यापार समझौते के अनुसमर्थन को स्थगित करना उचित है।"

मूरसन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "हमें पिछले जुलाई के ईयू-यूएस व्यापार समझौते को बहुत जल्द अनुमोदित करना था, जिससे अमेरिका से यूरोपीय संघ में होने वाले आयात पर आयात शुल्क शून्य हो जाता। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए इस मंजूरी के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।"

अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए डेनमार्क के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## धर्म ही मुझे और नरेन्द्र मोदी को चला रहा है- भागवत

### संघ प्रमुख ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में आरएसएस के कार्यक्रम को संबोधित किया

- मोहन भागवत ने कहा कि देश को सदैव संतों व ऋषियों का मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत को चलायेगा, वह विश्व गुरु बना रहेगा।

मुंबई, 18 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आरएसएस के कार्यक्रम में अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि धर्म ही मुझे और नरेन्द्र मोदी को चला रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को नियंत्रण करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में मोहन भागवत ने भारत की सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि देश को सदैव संतों और ऋषियों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत को चलाएगा, वह विश्वगुरु बना रहेगा। मोहन भागवत ने धर्म को केवल पूजा-पाठ तक सीमित न मानते हुए कहा कि प्रकृति की हर वस्तु में कर्तव्य और अनुशासन निहित है।

सृष्टि बनने के बाद उसके संचालन के नियम ही धर्म बने और सब कुछ उन्हीं नियमों पर चलता है। दुनिया में आध्यात्मिकता की कमी है, इसलिए ऐसा ज्ञान वहां नहीं मिलता।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई व्यक्ति या रचना धर्म के बिना नहीं हो सकती।

जाति व्यवस्था पर चर्चा करते हुए भागवत ने कहा कि इसे समाप्त करने के लिए मन से जाति की भावना को मिटाना आवश्यक है। पहले जाति काम और पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में यह भेदभाव का कारण बन गई।

भागवत ने आरएसएस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन का लक्ष्य समाज के साथ मिलकर भारत को उसके सर्वोच्च गौरव तक पहुंचाना है।

संघ व्यक्ति के चरित्र निर्माण के जरिए राष्ट्र निर्माण करता है। उन्होंने साफ किया कि आरएसएस किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं करता और न ही किसी प्रतिक्रिया में बना है।

संघ खुद बड़ा नहीं बनना चाहता, बल्कि पूरे समाज को आगे बढ़ाना चाहता है। जो लोग संघ को समझना चाहते हैं, उन्हें उसकी शाखाओं में आना चाहिए।

## कोई नहीं चाहता, मुंबई में भाजपा का मेयर बने- राउत

मुंबई, 18 जनवरी। बीएमसी चुनाव के नतीजे आने के बाद मुंबई की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। शिवसेना-यूबीटी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि शिंदे गुट ने अपने नवनिर्वाचित पार्षदों को मुंबई के ताज

- संजय राउत ने आरोप लगाया कि शिंदे ने 29 पार्षदों को मुंबई के ताज होटल में बंधक बना रखा है।

होटल में बंधक बनाकर रखा है। राउत के इस बयान ने नगर निगम चुनाव के बाद मेयर पद की जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है।

संजय राउत ने एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव जीतकर आए पार्षदों को होटल में कैद कर दिया गया है। राउत ने कहा,

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## शिंदे ने मुम्बई के महापौर पद पर दावा किया, भाजपा नाराज़

### चर्चा के अनुसार, यह विवाद कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में वर्चस्व से भी जुड़ा हुआ है

- केडीएमसी शिंदे के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र उनका गढ़ माना जाता है। यहाँ के नगर निगम में शिंदे को भाजपा से एक सीट अधिक प्राप्त हुई है।

मुंबई, 18 जनवरी। महाराष्ट्र की राजनीति में महायुति गठबंधन के भीतर हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा मुंबई महानगरपालिका के महापौर और स्थायी समिति अध्यक्ष पद पर दावे किए जाने से भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी है।

सूत्र बताते हैं कि भाजपा नेताओं का मानना है कि मुंबई की जनता ने महायुति पर भरोसा जताया है, लेकिन ऐसे समय में सहयोगी दल द्वारा दबाव की राजनीति अच्छे संकेत नहीं देती। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा नेताओं ने अपनी यह नाराजगी सीधे उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के सामने रखी है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह पूरा विवाद केवल मुंबई के पदों की लड़ाई नहीं है, बल्कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) की राजनीति से भी जुड़ सकता है। कुछ सूत्रों का दावा है कि शिंदे गुट, जो केडीएमसी में भाजपा से सिर्फ एक सीट आगे है, अब अप्रत्यक्ष दबाव बनाकर गठबंधन के भीतर अधिक पद हासिल करने की रणनीति अपना रहा है।

शुक्रवार को घोषित अंतिम नतीजों में 122 सीटों वाली केडीएमसी में एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 52 सीटें, जबकि भाजपा ने 51 सीटें जीतीं। यानी शिंदे गुट मात्र एक सीट से आगे रहा। वहीं उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को केवल 11 सीटें, एमएनएस को 5, कांग्रेस को 2 और एनसीपी (शरद पवार) को 1 सीट मिली।

विश्लेषकों का कहना है कि शिंदे के लिए केडीएमसी राजनीतिक रूप से बेहद अहम है, क्योंकि यह उनका गढ़ माना जाता है, जबकि मुंबई में भाजपा की मजबूत पकड़ है। ऐसे में दोनों नगर निगमों में सहयोग के बिना सरकार गठन और सत्ता संतुलन मुश्किल हो सकता है। यही वजह है कि शिंदे गुट अब अधिक निगोशिएशन पावर दिखाने की कोशिश में है, जबकि भाजपा इसे दबाव की राजनीति मानकर नाखुश है। गठबंधन के दोनों दलों को एक-दूसरे की ज़रूरत है, विशेषकर मुंबई और केडीएमसी दोनों ही जगहों पर।

## त्रिवेणी में मौनी अमावस्या पर 4 करोड़ ने डुबकी लगाई

प्रयागराज , 18 जनवरी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के माघ मेले में मौनी अमावस्या के अवसर पर रविवार शाम पांच बजे तक चार करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु त्रिवेणी में पावन डुबकी लगा चुके थे। आज सुबह चार बजे से ही मौनी अमावस्या का स्नान शुरू हो गया था।

- सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं ने स्नान शुरु कर दिया था तथा शाम 5 बजे तक चार करोड़ से अधिक लोग डुबकी लगा चुके थे।

जैसे-जैसे सूरज निकला उसी, रफ़्तार से श्रद्धालुओं की भीड़ भी बढ़ने लगी। भीड़ का आलम ये था कि 11 बजे सुबह तक ही एक करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया था। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने भी अपनी योजना में बदलाव करते हुए लोगों को दूसरे रास्ते से स्नान घाट तक पहुंचाया। मौसम ने भी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति आज दिल्ली आएंगे

नयी दिल्ली, 18 जनवरी। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे।

शेख नाहयान की यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर हो

- भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मजबूत ऊर्जा साझेदारी है, जिसमें दीर्घकालीन ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था शामिल है।

रही है।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद उनकी भारत की यह तीसरी आधिकारिक यात्रा होगी, और पिछले एक दशक में यह उनकी भारत की पाँचवीं यात्रा होगी। यह यात्रा हाल ही में हुए उच्च-स्तरीय आदान-

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## पूर्णतया डॉलर पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन के लिए निर्भर नहीं रहना चाहता भारत

### इस पूर्ण निर्भरता का दुष्परिणाम भारत के सामने है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध ने रूस को विदेशी मुद्रा के रिज़र्व्स को ब्रेफ्रीज कर दिया था

- भारत ने डॉलर पर पूर्ण निर्भरता से बचने के लिए "ब्रिक्स ब्रिज" सिस्टम शुरु किया है। "ब्रिक्स ब्रिज" के मार्फत नए विकासशील देश, माल निर्यात-आयात का सैंटलमैंट अपनी स्वयं की मुद्रा से कर सकेंगे।
- यह नया "ब्रिक्स ब्रिज" सिस्टम भारत के लिए आवश्यक है, क्योंकि भारत अपनी ऑयल की खपत का 80 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है तथा रूस से भी पुराने व मजबूत सामरिक संबंध रखता है। अतः यूरोपियन द्वारा सीधे रूस से ऑयल खरीद पर प्रतिबंध लगाने पर, भारत ने वैकल्पिक पैमैंट की व्यवस्था का इस्तेमाल किया।
- भारत यह "इम्प्रेशन" भी नहीं देना चाहता कि वह डॉलर विरोधी है, पर सारे निर्यात-आयात के लिए केवल एक "गेट कीपर" पर ही निर्भर रहना नहीं चाहता। इसलिए भारत "ब्रिक्स ब्रिज" सिस्टम को प्रोत्साहित कर रहा है। भारत यह जानता है कि "ब्रिक्स ब्रिज" सिस्टम पूर्णतया विकसित होने में काफी समय लगेगा, तब तक भारत डॉलर विरोधी होने की छवि भी नहीं ओढ़ना चाहता, जिससे वह अमेरिका का कोप-भाजन बने।

-सुकुमार साह---
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। जैसे-जैसे ग्लोबल फाइनेंस एक तेज़ी से विवादित जियोपॉलिटिकल एरिया बनता जा रहा है, भारत सावधानी से खुद को एक ऐसे एक्सपेरिमेंट के साथ जोड़ रहा है, जो समय के अनुसार, यू.एस. डॉलर के साथ सीधा टकराव किए बिना, उसके दबदबे को कम कर सकता है। यह पहल, जिसे ब्रिक्स ब्रिज के नाम से जाना जाता है, एक नया डिजिटल पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम है जिसे वेस्टर्न कंट्रोल वाले फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर, खासकर स्विफ्ट मैसेजिंग नेटवर्क और डॉलर-बेस्ड कॉरेस्पोंडेंट बैंकिंग सिस्टम पर निर्भरता कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ग्लोबल ट्रेड को सपोर्ट करता है।

नई दिल्ली के लिए, इस प्रोजेक्ट का महत्व डॉलर को सीधे चुनौती देने में नहीं है, बल्कि भविष्य में अलग-अलग रास्ते चुनने की रणनीतिक आज़ादी में है। यह एक समानांतर वित्तीय रास्ता बनाने के बारे में है, जिससे भारत को ट्रेड, एनर्जी खरीद और क्रॉस-बॉर्डर भुगतानों में ज्यादा स्वायत्तता मिले, ऐसे समय में, जब जियोपॉलिटिक्स फाइनेंस तक पहुंच को तेज़ी से आकार दे रही है।

भारत कभी भी वैचारिक रुप से डॉलर का विरोधी नहीं रहा है। यू.ए. करेंसी भारत के ट्रेड इनवॉइसिंग, फॉरेन कैपिटल इनफ्लो और फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व में केन्द्रीय भूमिका निभाती है, लेकिन हाल की वैश्विक घटनाओं ने यह दिखा दिया है कि एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था पर अत्यधिक निर्भरता कितनी जोखिम भरी हो सकती है, जहाँ देश के बाहर लिए गए पोलिटिकल फैसलों से एक्सेस को रोका जा सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस के फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व को फ्रीज़ करने और स्विफ्ट से रूसी बैंकों को कुछ हद तक बाहर करने से भारत सहित उभरती हुई इकॉनमी में एक मज़बूत मैसेज गया। इस घटना ने दिखाया कि कैसे फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को हथियार बनाया जा सकता है, और कैसे बडी इकॉनमी भी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## ट्रंप ने गाज़ा "बोर्ड ऑफ पीस" के लिए भारत को आमंत्रित किया

वॉशिंगटन, 18 जनवरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को गाजा में शांति बहाली के लिए बनाए जा रहे 'बोर्ड ऑफ पीस' का हिस्सा बनने का निमंत्रण दिया है। यह बोर्ड गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने और शांति

- यह बोर्ड गाज़ा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए बनाया जा रहा है।

प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए बनाया जा रहा है।

भारत को यह न्योता उसकी वैश्विक साख, संतुलित विदेश नीति और शांति प्रयासों में भूमिका को देखते हुए दिया गया है। माना जा रहा है कि इस बोर्ड में शामिल देश गाजा की स्थिति पर नजर रखेंगे, मानवीय सहायता, पुनर्निर्माण और संघर्ष रोकने से जुड़े कदमों पर विचार करेंगे। हालांकि, इस

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

**मनुष्य को आपत्ति का सामना करने, सहायता देने के लिए मुस्कान से बड़ी कोई चीज़ नहीं है। –तिरुवल्लुवर**

# यही तो जीवन है!

यह सप्ताह भारत में दो बड़े साहित्यिक आयोजनों का रहा। देश की राजधानी दिल्ली में विश्व पुस्तक मेला संपन्न हुआ और राजस्थान की राजधानी में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन हुआ। नौ दिन तक चले विश्व पुस्तक मेले में 35 देशों के लगभग एक हज़ार प्रकाशकों ने भाग लिया, यह 53 वां पुस्तक मेला था। जयपुर में आयोजित हुए साहित्य उत्सव का यह 19वां संस्करण था और आयोजकों के अनुसार यह 'ग्रेटेस्टलिटरेरी शो ऑन अर्थ' है। दिल्ली का पुस्तक मेला और जयपुर का साहित्य उत्सव दोनों ही अपनी प्रकृति में उत्सवधर्मा हैं। दिल्ली के मेले में लोग किताबें देखने-खरीदने के साथ-साथ मेल मिलाप के लिए भी जाते हैं और लेखक गण इसे अपनी नव प्रकाशित पुस्तकों के वार्षिक लोकार्पण उत्सव की तरह भी देखते हैं। जयपुर का आयोजन तो बकौल आयोजकगण, फेस्टिवल ही है। दिक्कत तब होती है जब हम एक फेस्टिवल में जाकर गंभीर विमर्श की अपेक्षा करते हैं और फिर निराश होते हैं। जयपुर उत्सव की एक और आलोचना इसमें भारतीय भाषाओं की कम उपस्थिति को लेकर भी होती है।यह एक तथ्य है कि इसमें भारतीय भाषाओं की उपस्थित न केवल कम है, वह कम होती भी गई है। वैसे भी इसमें भारतीय भाषाओं के रूप में सर्वाधिक उपस्थिति हिंदी और राजस्थानी की ही होती है। राजस्थानी की उपस्थिति का एक बड़ा कारण इस आयोजन का राजस्थान की धरती पर आयोजित होना भी है। अन्य भारतीय भाषाओं की सहभागिता तो नाम मात्र को ही होती है। और प्राय: उस सहभागिता का माध्यम अंग्रेज़ी ही होती है।

हिंदी समाज में आम तौर पर जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल को लेकर अस्वीकार और असहमति का ही भाव विद्यमान रहा है। यह कहा जाता रहा है कि इस फेस्टिवल की मूल अवधारणा ही पूंजीवादी है और यहां जन सरोकारों तथा गंभीर विमर्श के लिए कोई जगह नहीं है। वैसे हिंदी के बहुत सारे नामचीन लेखकों ने समय-समय पर इस फेस्टिवल में भाग लिया है और उनमें से कई इसी वजह से तीखी आलोचना के शिकार भी हुए हैं। यह बात भी कम दिलचस्प नहीं है कि कई लेखकों को जब इसमें बुलाया गया, वे सहर्ष सम्मिलित हुए और उससे पहले और बाद में इसके आलोचक बने रहे। यह भी हुआ कि इसकी आलोचना करने वालों ने भी इसमें आकर सम्मानित होने से परहेज़ नहीं किया। जहां तक इस आयोजन की पूंजीवादी अवधारणा का सवाल है, जितने बड़े पैमाने पर यह होता है उसके लिए बड़ी पूंजी अपरिहार्य है, और जब पूंजी होगी तो पूंजीवाद कैसे पीछे रहेगा? आप फेस्टिवल के समर्थक हों, या विरोधी, इस बात को तो स्वीकार किया ही जाना चाहिए कि यह हमारे समय के सर्वाधिक सफल आयोजनों में से एक है। मुझे यह कहने में भी कोई संकोच नहीं है कि जिन लेखकों-विचारकों के पास कहने को कुछ है और उस कुछ को नपे तुले शब्दों में कहने का कौशल है वे इस फेस्टिवल में भी मानीखेज़ बातें कहते हैं और उनको सुनने-सराहने वाले भी बहुत बड़ी संख्या में मौजूद रहते हैं। मुझे तो यह बात भी कम आश्चर्यजनक नहीं लगती है कि इसके आयोजक लेखन और विचार के इर्द-गिर्द ऐसा भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन संभव कर सके हैं।

और यहीं मैं एक अन्य मुद्दे की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। असल में हमारे हिंदी समाज में सफलता और समृद्धि को लेकर एक अजीब-सा भाव विद्यमान है। हमें उस हर सफलता और समृद्धि से शिकायत होती है जिसमें हम नहीं होते हैं। अगर किसी को बड़ी रॉयल्टी मिल जाए तो हम उसमें अनेक खोट निकालने लगते हैं, अगर कोई मंच पर सफल हो जाए तो हमें उसमें स्तरहीनता की दरारें नज़र आने लगती हैं, अगर किसी को ज़्यादा पाठक मिल जाएं तो हमारे पेट में दर्द होने लगता है और वह दर्द उसकी आलोचना के रूप में प्रकट होता है। हमारे यहां ऐसे भी अहंकारी और आत्म मुग्ध लोग मौजूद हैं जो समय-समय पर किसी के कवि न होने के फतवे ज़ारी करते रहते हैं। अच्छे और बुरे को हमने अपनी तरह से परिभाषित कर रखा है। लोकप्रिय माध्यमों में कभी कोई गुण और गुणवत्ता हमें नज़र आते ही नहीं है। हमारे जो लेखक फ़िल्मों में गए, उनका नाम साहित्य के रजिस्टर से काटने में हमने पल भर की भी देर नहीं की। जब उनकी जन्म शताब्दी का साल आया तो हमने संकोच से माना कि शैलेंद्र भी अच्छे कवि थेऔर नीरज को अपने कवित्व को हमसे स्वीकार करवाने के लिए स्वर्गीय होना पड़ा। और भी अनेक नाम आपको याद आ जाएंगे जिनको हमारे साहित्यिक समाज ने स्वीकार नहीं किया तो नहीं ही किया। उनका दोष केवल इतना था कि वे लोकप्रिय हो गए थे। वैसे लोकप्रिय और स्तरीय के बीच की यह विभेदक दीवार है बड़ी मज़ेदार। जो साहित्यिक है उसकी भी आकांक्षा होती है कि वह लोकप्रिय हो जाए, लेकिन हो नहीं पाता है। और इसी तरह जो लोकप्रिय है वह साहित्यिक समुदाय की सराहना चाहता है लेकिन वह उसकी पहुंच से दूर रह जाती है। यही बात लेखन से होने वाली आय को लेकर भी है। भला कौन नहीं चाहेगा कि उसकी लिखी किताबें बिकें और उस बिक्री से प्रकाशक को जो आय हो उसका एक हिस्सा लेखक को भी मिले। बहुत थोड़े लेखक ऐसे हैं जिन्हें अपने लेखन से इतनी आय होती है कि वे उसी पर निर्भर रहकर भी सम्मानजनक ज़िंदगी जी सकते हैं। अधिकांश लेखक तो यह ख़्वाब ही देखते रह जाते हैं। लेकिन वे यह बात मानने को कभी तैयार नहीं होते हैं कि जिनकी किताबें बिक रही हैं उनके लेखन में कोई ख़ासियत भी है। इसके अलावा, हम तो किसी की किताब खरीदेंगे नहीं लेकिन यह चाहेंगे कि हमारी किताबें धड़ाधड़ बिकें। खरीदने वाले किसी और दुनिया के नागरिक हों, शायद।

**हमारा हिंदी साहित्य विचारधारा के मामले में दो स्पष्ट खेमों में विभाजित है। एक वाम वाला खेमा जिसका प्रतिनिधित्व प्रगतिशील लेखक संघ और जनवादी लेखक संघ करते हैं, और दूसरा दक्षिण वाला खेमा जिसमें भारतीय साहित्य परिषद जैसे वे संगठन हैं जो स्वयं को राष्ट्रवादी कहते हैं। वाम खेमे के पास वर्तमान की समस्याओं के विश्लेषण के अतिरिक्त भविष्य के लिए भी एक स्वप्न है, तो दक्षिण वाले समूह के पास अतीत की गौरव गाथाएं और चमकदार नारे हैं।**

इस बात को स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं होनी चाहिए कि हम हिंदी समाज वाले किताबों और लेखन के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने में नाकामयाब रहे हैं। बल्कि सच तो यह कहना होगा कि हमने इस दिशा में प्रयत्न किया ही नहीं। कब हमने अपने सिवा किसी और के लेखन पर खुलकर बात की? हालत तो यह है कि हम लेखक भी इसी बात से भयभीत रहते हैं कि अगर हमारा सामना किसी अन्य लेखक से हो गया तो वह अपने लेखन के कसीदे पढ़-पढ़कर हमारे प्राण ले लेगा। क्या पता बशीर बद्र साहब ने यह शेर हम जैसों को ध्यान में रखकर ही लिखा हो – 'ख़ुदा हम को ऐसी ख़ुदाई न दे/ कि अपने सिवा कुछ दिखाई न दे।' अगर हम अध्यापक है तो कब हमने कोशिश की कि अपने विद्यार्थियों को अच्छी किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। हमारी साहित्यिक गोष्ठियों में क्या होता है? कभी हमने कोशिश की कि उनमें नए लोग भी आने लगें? और जो आएं, उन्हें भी अपनी बात कहने का मौका मिले! इतने लंबे, उबाऊ और बे-सिरपैर के वक्तव्य अपनी गोष्ठियों में हम देते हैं कि बेचारा नया आने वाला उस क्षण को कोसता रह जाता है जब उसने हमारी गोष्ठी में आने का फैसला किया था। सलीके से और संक्षेप में बात कहने से हमें सख़्त परहेज़ होता है।

हमारा हिंदी साहित्य विचारधारा के मामले में दो स्पष्ट खेमों में विभाजित है। एक वाम वाला खेमा जिसका प्रतिनिधित्व प्रगतिशील लेखक संघ और जनवादी लेखक संघ करते हैं, और दूसरा दक्षिण वाला खेमा जिसमें भारतीय साहित्य परिषद जैसे वे संगठन हैं जो स्वयं को राष्ट्रवादी कहते हैं। वाम खेमे के पास वर्तमान की समस्याओं के विश्लेषण के अतिरिक्त भविष्य के लिए भी एक स्वप्न है, तो दक्षिण वाले समूह के पास अतीत की गौरव गाथाएं और चमकदार नारे हैं। बहुत रोचक बात यह भी कि इस खेमे के पास ऐसा कोई लेखक नहीं है जिसकी थोड़ी बहुत भी पहचान साहित्य जगत में हो। बहुत सारे लेखक ऐसे भी हैं जो इनमें से किसी एक में ख़ुद को शामिल नहीं करते हैं, दोनों की आलोचना करते हैं और अपने बारे में कहते हैं कि वे तटस्थ हैं, जबकि दुनिया में तटस्थता जैसी कोई चीज़ होती ही नहीं है। ऐसे भी अनेक लेखक हैं जिनका लेखन किसी वैचारिक संलग्नता की मांग ही नहीं करता है। वे पेड़, नदी, पहाड़, मानवीय रिश्तों जैसे विषयों पर लिखते रहते हैं और ऐसे किसी मुद्दे को छूने से सायास बचते हैं जहां उन्हें सत्ता की या किसी विचार विशेष की आलोचना करनी पड़े। कुछ लोग साहित्य को जनवाद और कलावाद के खांचों में भी बांट कर देखते हैं और रोचक बात यह कि जो घोषित कलावादी हैं उनके लेखन में भी जनवादी तत्त्व मिल जाते हैं और जो जनवादी हैं उनके यहां कलावाद मिल जाता है। लेकिन किसी पर एक ब्रांड का ठप्पा लग गया तो उसे उसी तरह देखा जाता है। अलग-अलग विचारधारा के लोग दूसरी विचारधारा के आयोजनों में जाएं न जाएं इस पर प्राय: विवाद होते रहते हैं। जब हम किसी और के आयोजन में चले जाते हैं तो वह हमारा वैचारिक खुलापन होता है लेकिन जब कोई दूसरा ऐसा करता है तो यह उसका विचलन होता है या उसका पतन होता है। यही बात सम्मानों पुरस्कारों के मामले में भी होती है। अपने और दूसरों के बारे में हमारी कसौटियां भिन्न-भिन्न होती हैं।

लेकिन इतनी सारी बातों, इतने सारे विरोधाभासों और इतने सारे अंतर्विरोधों के बावजूद हम सब लिख रहे हैं, लिखे जा रहे हैं। पहले से ज़्यादा ऊर्जा के साथ लिख रहे हैं। लेखन से किसी को, बहुत थोड़े अपवादों को छोड़ दें, कुछ भी तो नहीं मिलता है। फिर भी लोग लिखते हैं। लिखने वालों की बिरादरी बढ़ती जाती है। पुस्तक मेले होते हैं, साहित्य उत्सव होते हैं और तमाम कमियों, असहमतियों, नाराज़गियों के बावजूद हम उनमें शरीक़ होते हैं। यही तो जीवन है!

**–अतिथि संपादक,**
**डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल**
**( शिक्षाविद और साहित्यकार )**

# शांति अधिनियम: सुरक्षा, शांतिपूर्ण, स्वच्छ-सतत ऊर्जा और नवाचार है आधार

## शांतिपूर्ण उद्देश्यों वाले परमाणु ऊर्जा संबंधित पेटेंट मिलने में आसानी होगी

**विकास आसावत**

हाल ही संसद के शीतकालीन सत्र में पारित हुआ सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया यानि शांति अधिनियम, 2025 राष्ट्रपति की मंज़ूरी मिलने के बाद 21 दिसंबर, 2025 को अधिसूचित किया गया। शांति विधेयक परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षित के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 को निरस्त करता है। यह कानून सिविल नुक्लिअर सेक्टर से संबंधित सभी कानूनों को समाहित करता है।

यह कानून लाइसेंसिंग और अन्य प्रक्रियाओं को बरकरार रखते हुए सुरक्षा, संप्रभुता और जनहित के अटूट मानकों को बनाए रखकर ही निजी भागीदारी की अनुमति देता है । निजी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व, संचालन और परिसमापन करने की अनुमति देता है जबकि नियामक नियंत्रण केंद्र के पास रहेगा। कानून उन गतिविधियों की स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करता है जो सरकार के पास रहेंगी।

यह विधेयक भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के दीर्घकालिक लक्ष्य का समर्थन करता है जो भारत की लगभग 10 प्रतिशत बिजली आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।

**पेटेंट कानून में बदलाव:**

यदि परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 की धारा 20 यानि की वर्तमान कानून से पूर्व स्तिथि के व्यापक दायरे में 'परमाणु ऊर्जा' से संबंधित कोई आविष्कार होता था, तो उसे पेटेंट प्रदान नहीं किया जा सकता था, चाहे विषय वस्तु ईंधन चक्र चरण हो, एनरिचमेंट हो, सुरक्षा सेंसर हो या अस्पताल इमेजिंग उपकरण हो।

पूर्व धारा 4 जो परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 की धारा 20 (1) पर आधारित के तहत, परमाणु ऊर्जा से संबंधित सभी आविष्कारों के लिए पेटेंट निषिद्ध थे, जिसमें केंद्र सरकार को अनिवार्य रूप से खुलासा करना, केंद्र सरकार की अनुमति के बिना भारत के बाहर पेटेंट आवेदन दाखिल करने पर प्रतिबंध और सरकारी प्रतिष्ठानों में या सरकारी अनुबंधों के तहत विकसित आविष्कारों का सरकारी स्वामित्व शामिल था।

नई व्यवस्था में परमाणु ऊर्जा और विकिरण के शांतिपूर्ण, नागरिक अनुप्रयोगों के आविष्कारों के लिए पेटेंट दिए जा सकते हैं, जो पेटेंट अधिनियम, 1970, और शांति एक्ट, 2025 की धारा 38 के सुरक्षा उपायों के अधीन होंगे।

**पेटेंट योग्य विषय:** औद्योगिक माप, चिकित्सा और कृषि संबंधी परमाणु अनुप्रयोग:

कैंसर उपचार के लिए रेडियोफार्मास्युटिकल्स, रेडियोथेरेपी सॉफ्टवेयर और नियंत्रण प्रणालियाँ।

सटीक निदान: उन्नत परमाणु इमेजिंग, एआई-सक्षम न्यूक्लियर डायग्नोस्टिक, निदान या उपचार के लिए नियंत्रित विकिरण से संबंधित प्रौद्योगिकियां और अनुकूलित ऑन्कोलॉजी।

नुक्लिअर डाटा एनालिटिक्स, पर्यावरण सुरक्षा, निगरानी और पर्यावरणीय अनुप्रयोग।

परमाणु अनुसंधान वातावरण में उपयोग किए जाने वाले दक्षता बढ़ाने वाले घटक, विकिरण वितरण प्रणालियों, रिएक्टर सुरक्षा प्रणालियाँ।।

मापन उपकरण, औद्योगिक निगरानी उपकरण, दबाव नियामक।

परमाणु संयंत्रों में प्रयुक्त नियंत्रण एल्गोरिदम, सिमुलेशन सिस्टम, रिसाव का पता लगाने और उसे रोकने की तकनीकें।

छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों, अनुसंधान एवं विकास तथा नॉन-पावर ऍप्लिकेशन्स।

अर्थात इन आविष्कारों का स्पष्ट उद्देश्य शांतिपूर्ण, नागरिक या नियामक अनुमोदन के तहत लाइसेंस प्राप्त उपयोग होना चाहिए।

**सरकार का नियंत्रण रहेगा:**

पेटेंट कानून की धारा 35, 39 व 157ए के तहत जो अविष्कार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए, संवेदनशील , जो रणनीतिक सरकारी गतिविधियों से संबंधित हैं, या जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर डालते हैं, उन्हें पेटेंट नहीं कराया जा सकता।

गतिविधिया जो केंद्र सरकार या उसके पूर्ण स्वामित्व वाली किसी संस्था या कारखाने द्वारा ही स्थापित या संचालित की जाएंगी:

निर्धारित या रेडियोएक्टिव पदार्थों का एनरिचमेंट या आइसोटोपिक सेपरेशन (जब तक कि अन्यथा सूचित न किया जाए) ।

खर्च किए गए ईंधन का प्रबंधन जैसे रीप्रोसेसिंग, रीसाइक्लिंग, रेडियोन्यूक्लाइड सेपरेशन, और उच्च-स्तरीय कचरे को संभालना।

भारी पानी का उत्पादन और अपग्रेडेशन।

सरकार द्वारा विशेष रूप से अधिसूचित कोई अन्य सुविधाएं या गतिविधियां।

**कुछ महत्वपूर्ण पहलू:**

आवेदक पेटेंट फाइलिंग से पूर्व विषय-वस्तु को अच्छे से विश्लेषण कर ले, तब दावों में परमाणु शब्दावली को आसानी से प्रयुक्त कर सकेंगे ((शांति अधिनियम की धारा 38(1) और 3(5) आधार बनेगा) ।

पेटेंट पात्रता का मूल्यांकन अब पेटेंट कानून और क्षेत्र में संप्रभु सुरक्षा प्रावधानों और विषय विशिष्ट एक्सक्लूशन पर आधारित होगा।

रिसर्च और उद्योग में अनिश्चितता कम करके, शांतिपूर्ण अनुप्रयोगों- में नवाचार को सक्षम बनाकर भारत के रणनीतिक बौद्धिक संपदा पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करेंगे।

पेटेंट ऑफिस द्वारा समबन्धित प्राधिकरण के सहयोग से परमाणु ऊर्जा संबंधी आविष्कारों के परीक्षण के दिशानिर्देश जारी हो।

शांतिपूर्ण परमाणु प्रौद्योगिकी को परिभाषित करने के लिए कानूनी मानदंड निर्धारित हो।

नया कानून उन नवप्रवर्तकों, वाणिज्यिक के साथ साथ अनुसंधान व विकास संस्थानों के लिए मायने रखता है, जिन्हें पहले लगता था कि भारत में नुक्लियर ऊर्जा व रेडिएशन समन्धित समस्त श्रेणीयों पेटेंट के लिए पूर्ण रूप से बंद है।

यह बदलाव उस समय पर परिलक्षित हुआ है जब भारत अपनी क्लीन एनर्जी के दायरे को बढ़ाने के साथ अन्य क्षेत्र जैसे हाई-एन्ड मैन्युफैक्चरिंग सहित अन्य स्ट्रेटेजिक एरिया में निवेश कर रहा है। आने वाला नजदीक समय महत्वपूर्ण होगा जिसमे पेटेंट ऑफिस के संभावित दिशानिर्देश, पेटेंट ऑफिस द्वारा परीक्षण रिपोर्ट, सम्बंधित न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय, समबन्धित विभाग द्वारा जारी कोई स्पष्टीकरण, स्टेकहोल्डर्स के सुझाव आदि से पेटेंट योग्यता में स्पष्टता आएगी।

**-विकास आसावत,**
**पेटेंट अटॉर्नी एवं एडवोकेट**

# राज्यपाल बागड़े ने पुष्कर में श्री साईं धाम मंदिर का लोकार्पण किया

**पुष्कर,** (निसं)। तीर्थ नगरी पुष्कर के खरेखड़ी रोड पर नवनिर्मित श्री साईं बाबा मंदिर का लोकार्पण रविवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ किया। इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

रविवार सुबह राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े समारोह में भाग लेने श्री साईं धाम पहुंचे। उन्होंने साईं बाबा के दर्शन कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ पूजा-अर्चना की तथा नवनिर्मित मंदिर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, पुष्कर नगर परिषद के निवर्तमान सभापति कमल पाठक, उपसभापति शिव स्वरूप महर्षि, भाजपा नेता अरुण वैष्णव एवं सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर ने राज्यपाल का माला पहनाकर स्वागत किया। लोकार्पण के पश्चात राज्यपाल बागड़े ने साईं धाम परिसर में स्थित नवग्रह मंदिर सहित अन्य देवी-देवताओं के मंदिरों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साईं मंदिर के पदाधिकारी विशाल नवाल ने बताया कि मंदिर परिसर में देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के साथ नवग्रह, नक्षत्रों से संबंधित पौधों का रोपण भी किया गया है।

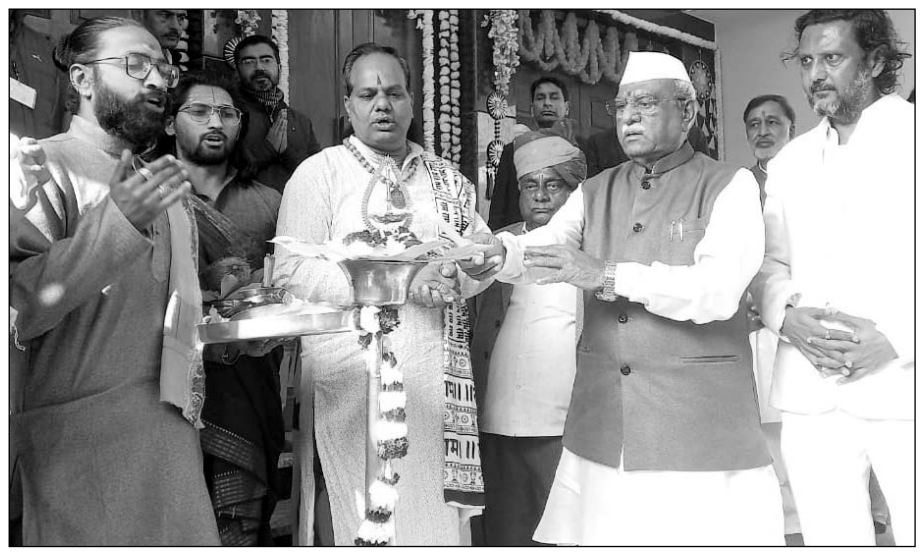

**पुष्कर में नवनिर्मित श्री साईं बाबा मंदिर का लोकार्पण राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया।**

■ **लोकार्पण के पश्चात राज्यपाल बागड़े ने साईं धाम परिसर में स्थित नवग्रह मंदिर सहित अन्य देवी-देवताओं के मंदिरों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया**

पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पुष्कर के खरेखड़ी स्थित साईं धाम को राजस्थान वासियों के लिए शिर्डी के साईं बाबा धाम की तर्ज पर विकसित किया गया है, जिससे प्रदेशवासियों को यहीं शिर्डी जैसे आध्यात्मिक अनुभव का लाभ मिलेगा। उन्होंने आमजन से पर्यावरण संरक्षण का आव्हान करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के पुष्कर आगमन पर जवाहर फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। फाउंडेशन के प्रभारी शिवकुमार बंसल ने राज्यपाल को संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जवाहर फाउंडेशन द्वारा समाजसेवी एवं उद्योगपति रिजु झुनझुनवाला के मार्गदर्शन में अजमेर सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों में 11 स्वाभिमान भोज रसोई संचालित की जा रही हैं। इन रसोइयों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग पांच हजार जरूरतमंदों को मात्र एक रुपये में शुद्ध, स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस अवसर पर फाउंडेशन के मनीष अग्रवाल, मुकेश राठौर, भारत सिंह राणा, राजेंद्र वर्मा एवं मनीष सेन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# मौनी अमावस्या पर पुष्कर में आस्था का महासंगम दिखा

## देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान किया

**पुष्कर,** (निसं)। माघ मास की पावन मौनी अमावस्या के अवसर पर तीर्थराज पुष्कर में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नज़ारा देखने को मिला। रविवार तड़के से ही पुष्कर सरोवर के बावन घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा अपने दिवंगत पूर्वजों की आत्मशांति के लिए पिंडदान एवं तर्पण किया।

ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। सरोवर के घाटों पर वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का वातावरण बना रहा। श्रद्धालु स्नान के उपरांत दान-पुण्य कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते नजर आए। कथा वाचक पंडित आशुतोष शास्त्री ने बताया कि शास्त्रों में मौनी अमावस्या का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन मौन रहकर स्नान, दान और पुण्य कर्म करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है तथा पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि पुष्कर सरोवर में इस दिन किया गया स्नान समस्त तीर्थों के स्नान के समान फलदायी माना गया है।

तीर्थ पुरोहित फूलचंद पाराशर ने बताया कि बावन घाटों पर सुबह से लेकर दोपहर तक श्रद्धालुओं का निरंतर सैलाब देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म संपन्न कराए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर पुरोहितों एवं सेवाधारियों की व्यवस्था रही। मौनी अमावस्या के चलते पुष्कर में मेला सा माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के इंतजाम किए गए। पुलिस बल घाटों एवं प्रमुख मार्गों पर तैनात रहा, वहीं पालिका द्वारा सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। दिनभर पुष्कर में भक्ति, आस्था और अध्यात्म का अनुपम संगम दिखाई दिया। सरोवर के घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर पुष्कर को आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना दिया।

■ **श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की**

**माघ मास की पावन मौनी अमावस्या पर पुष्कर सरोवर के बावन घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ नजर आई।**

## राशिफल

**पंडित अनिल शर्मा**

**सोमवार 19 जनवरी, 2026**

माघ मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिन 11:52 तक, वज्रयोग रात्रि 8:45 तक, किस्तुघ्न करण दिन 1:48 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

**गृह स्थिति:** सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग दिन 11:52 से 2:15 तक है। आज श्री वल्लभ जयन्ती है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** अमृत सूर्योदय से 8:40 तक, शुभ 9:59 से 11:18 तक, चर 1:57 से 3:16 तक, लाभ-अमृत 3:11 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:54

**मेष**
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

**वृष**
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मिथुन**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**कर्क**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण एवं धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

**सिंह**
वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

**कन्या**
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

**तुला**
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृश्चिक**
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

**धनु**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

**मकर**
व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कुंभ**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

**मीन**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

TOLL FREE NO. 1800-266-0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354I. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com . Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Based on the combined & cumulative dispatch volume of the Splendor range of motorcycles till March 2025. #Internal benchmarking on the basis of data available in public forums for 100cc segment bikes in India. Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. #Ex-showroom price of SPLENDOR+ XTEC 2.0 DRUM BRAKE in Rajasthan.

अधिकृत डीलर: कोटा: कोटा हीरो, 9289922193, 6367380041, चम्बल हीरो, 9289923012, 2504062, बूंदी: शिवम हीरो, 9289922540, बारां: के.के. हीरो, 9289923200, झालरापाटन: महादीप हीरो, 9289232404, एसोशिएट डीलर: कोटा: कोटा मोटर कम्पनी प्रा.लि., 9289922193, चम्बल मोटर्स प्रा.लि., 9214036062, 9214436023, 9116160555, रामगंज मण्डी: बगडिया ऑटो सेल्स, 8690937703, अकलेरा: सोनू मोटर्स, 9414194741, केशवरायपाटन: गोपाल मोटर्स, 7014418006, छाबड़ा: एम.के. मोटर्स, 8003169644, कैलाश मोटर्स, 9166171616, छीपाबडौद: स्पीड लिंक आटो, 9462491317, नैनवाँ: जैन आटोमोबाईल्स, 9460194414, नाहरगढ़: शुभम मोटर्स, 9521511336, अन्ता: हुसैन मोटर्स, 9694816652, सुल्तानपुर: नामा सेल्स कॉर्पोरेशन, 6378910321, एक्सटेंशन काउंटर- कोटा: चंबल ऑटोमोटिव (श्रीनाथपुरम), 9289923012, डाबी: हरसोरा मोटर्स, 9610446556, तालेड़ा: गुरुकृपा इंटरप्राइजेज, 9929134999, देई: धाकड़ ऑटोमोटिव, 9549850666, कवाई सालपुरा: एसएस तिवारी मोटर्स, 9929191766, हरनावदा शाहजी: आर.डी. तिवारी मोटर्स, 9571887243, (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बारां: के.के. मोटर्स, 9289923200

RS/Hero/06/25

# पावटा में हाइवे पर टैंकर-ट्रेलर में भिड़ंत, केमिकल रिसाव से भीषण आग लगी

## हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, दोनों वाहनों के चालकों ने कूदकर अपनी जान बचाई

पावटा में जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर टैंकर-ट्रेलर में टक्कर के बाद वाहनों में आग लग गई।

- बताया जा रहा है कि अनियंत्रित होकर केमिकल से भरा एक टैंकर अचानक अपनी लेन छोड़ते हुए दूसरे रोड पर जा पहुंचा और सामने से आ रहे ट्रेलर से भीषण टक्कर हो गई
- हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई, मौके पर मौजूद लोगों ने जान बचाकर इधर-उधर भागकर खुद को सुरक्षित किया
- केमिकल रिसाव से भीषण आग में जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग 48 व एक किलोमीटर एरिया घिर गया, मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया

**पावटा,** (निसं)। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर रविवार देर रात को अनियंत्रित होकर केमिकल से भरा एक टैंकर अचानक अपनी लेन छोड़ते हुए दूसरे रोड पर जा पहुंचा और सामने से आ रहे ट्रेलर से भीषण टक्कर हो गई। टक्कर के साथ ही टैंकर में भरे ज्वलनशील केमिकल ने आग पकड़ ली और कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बताया जा रहा है कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं दोनों वाहनों के चालकों ने कूदकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। देखते ही देखते एक किलोमीटर का एरिया केमिकल बिखरने से आग की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने जान बचाकर इधर-उधर भागकर खुद को सुरक्षित किया। सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस, प्रशासन और दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग बुझाने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी। एहतियातन दोनों ओर का यातायात पूरी तरह बंद कर दिया गया, जिससे हाइवे पर लंबा जाम लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन आग का गोला बन गए। अगर समय रहते ट्रैफिक नहीं रोका जाता तो बड़ा जनहानि का हादसा हो सकता था। फिलहाल आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

वहीं मौके पर कोटपूतली-बहरोड़ जिला कलैक्टर प्रियंका गोस्वामी, एसपी देवेन्द्र विश्नोई सहित आसपास के थाना क्षेत्रों के थाना अधिकारी सहित पुलिस जाब्ता तैनात है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घटनास्थल के आसपास न जाएं और सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

# बड़ी घटना को अंजाम देने की आशंका में पांच बदमाश गिरफ्तार

उनियारा थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर थार गाड़ी जब्त की।

**टोंक,** (निसं)। अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में चलाए जा रहे संदिग्ध व आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की धरपकड़ अभियान के तहत उनियारा थाना पुलिस ने शनिवार को एक काले रंग की थार गाड़ी के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने मुखबिर से सूचना के बाद आपराधिक प्रवृत्ति में लिप्त एक कार में सवार पांच संदिग्ध अपराधियों किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की आशंका के तहत गिरफ्तार किया गया है।

उनियारा थानाधिकारी कालूराम ने बताया कि अभियान के तहत आरोपियों

- उनियारा थाना पुलिस ने काले रंग की थार गाड़ी भी जब्त की

ने पुलिस को देखकर सवाई माधोपुर की ओर कार को दौड़ाया, तो पुलिस ने बड़ी घटना को अंजाम देने की आंशका के बाद आरोपियों की काले रंग की थार गाड़ी को बंसल पेट्रोल पंप के आगे शराब के ठेके के पास रुकवा लिया। कार सवार 5 अपराधियों से पूछताछ के बाद सन्तोषजनक जबाव नहीं देने बाद उनको गिरफ्तार किया गया। इस दौरान गाड़ी में तलाशी के बाद उनके कब्जे से 6 मोबाइल, 2 लोहे के पाइप जप्त किये गये, जिससे यह प्रतीत हो रहा था कि वे आपराधिक प्रवृत्ति के थे। मामले में पुलिस अपराधियों के आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य पहलुओं पर जांच कर रही है।

इस कार्रवाई में आरोपी राजकुमार पुत्र रामदयाल मीणा, बहादुर सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह पवार, ऋषि कुमार पुत्र तरुण कुमार, हेमेन्द्र सिंह पुत्र घलपत सिंह नरुकाएवं गणपत पुत्र राधेश्याम खटीक समस्त निवासी जिला सवाईमाधोपुर को गिरफ्तार किया है।

# 25 पैसे के इनामी हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के अवैध निर्माण ध्वस्त किये

## नगर पालिका सांगोद ने कार्रवाई कर हिस्ट्रीशीटर के दो मकानों पर चलाया बुलडोजर

**कोटा,** (निसं)। सांगोद इलाके में हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के दो मकानों को नगर पालिका सांगोद ने कार्रवाई करते हुए ध्वस्त किया, अवैध निमार्ण को ध्वस्त करने की कार्रवाई के दौरान पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता मौके पर तैनात किया गया।

जानकारी के अनुसार नगर पालिका सांगोद ने क्षेत्र के अमृतखेड़ी गांव में कोटा ग्रामीण के 25 पैसे के इनामी हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के बावड़ी क्षेत्र की सरकारी

- कार्रवाई के दौरान एसडीएम, तहसीलदार, पालिका अधिकारी एवं पुलिस के उच्च अधिकारियों के साथ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा

जमीन पर अतिक्रमण करके बनाया गया दो मंजिला मकान एवं दूसरी जगह दो कमरों के मकान, दोनों मकानों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करने की कार्रवाई की। सांगोद थानाधिकारी अनिल गौतम ने बताया कि नगर पालिका सांगोद ने आरोपी आदिल मिर्जा के मकानों पर 10 जनवरी को अतिक्रमण हटाने का नोटिस चस्पा किया था, आदिल मिर्जा के दो अलग-अलग मकान जो अतिक्रमण करके बनाये गये थे, थानाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका सांगोद ने कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाकर अवैध निमार्ण को ध्वस्त किया। थानाधिकारी ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के लिये 100 से अधिक पुलिस जवानों का अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया था। कार्रवाई के दौरान एसडीएम, तहसीलदार, नगर पालिका के अधिकारी एवं पुलिस के उच्च अधिकारियो के साथ-साथ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया हुआ था।

# हिस्ट्रीशीटर के घर दबिश में 17 लाख रुपये और सात कारतूस बरामद

- हिस्ट्रीशीटर लाला गिरफ्तार, भाई के साथ एमडी बेचता है, 5.29 ग्राम एमडी भी जब्त की
- दोनों भाई एमडी खरीदने वाले ग्राहकों से ऑनलाइन पेमेंट लेते थे, पुलिस ने क्यूआर कोड जब्त किये

**बीकानेर,** (निसं)। सदर थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद राशिद उर्फ लाला के घर दबिश देकर 5.29 ग्राम एमडी और सात कारतूस बरामद किए हैं। हिस्ट्रीशीटर अपने भाई के साथ मिलकर एमडी बेचता है जिसकी बिक्री के 17 लाख रुपए भी जब्त किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार सुबह सदर थाना पुलिस को इत्तला मिली थी कि एचएस राशिद उर्फ लाला के भुट्टों का बास सुभाषपुरा स्थित घर में मादक पदार्थ और अवैध हथियार हैं। एसएचओ सुरेन्द्र पचार और उनकी टीम ने पूरे घर की घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस ने घर के कमरे में मिले राशिद को गिरफ्त में लिया। घर की तलाशी ली तो कमरे में खिड़की के पास पर्दे के पीछे से एक पिट्ठू बैग मिला जिसमें से 17,05440 रुपए नकद, 5.29 ग्राम एमडी और प्लास्टिक की जिपर वाली थैलियां बरामद हुई। इसके अलावा सात कारतूस मिले। पुलिस ने नकदी, एमडी, कारतूस जब्त कर लिए। राशिद से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह अपने भाई जाहिद हुसैन के साथ मिलकर एमडी बेचता है। जाहिद बाहर गया हुआ है। पुलिस ने राशिद के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच व्यास कॉलोनी पुलिस थाने के एसएचओ विक्रम तिवाड़ी को सौंपी गई है।

एसएचओ ने बताया कि राशिद सदर पुलिस थाने के एचएस है और उसके खिलाफ पुलिस थानों में 11 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की टीम में एसआई हंसराज, एएसआई मदनलाल, कांस्टेबल शब्दल अली, भागीरथ, ममता और संतराम शामिल थे। पुलिस को एचएस राशिद के घर से तीन क्यूआर कोड मिले हैं। दोनों भाई एमडी खरीदने वाले ग्राहकों से ऑनलाइन पेमेंट लेते थे। इसके लिए दो पेटीएम और एक एयरटेल पेमेंट्स बैंक का क्यूआर कोड रखा हुआ था। पुलिस ने क्यूआर कोड जब्त कर लिए हैं। एचएस राशिद उर्फ लाला और उसका भाई जाहिद प्लास्टिक की जिपर वाली थैलियों में एमडी बेचते हैं। फलौदी में उनके रिश्तेदार उमरदीन से एमडी लाई जाती है जो वहां काबड़ीसर का रहने वाला है। भुट्टों का बास निवासी भाई खान फलौदी से एमडी लाकर राशिद और जाहिद को देता है। पुलिस ने दो मोबाइल भी जब्त किए हैं जिनकी कॉल डिटेल खंगाली जाएगी। आरोपियों से पूछताछ कर एमडी के नेटवर्क का पता लगाएगी।

# भरतपुर में रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी से 3.50 लाख की सायबर ठगी

## सायबर ठगी के आरोपी को गांधीनगर गुजरात से गिरफ्तार किया, पुलिस ने आरोपी से ठगी की पूरी रकम पीड़ित को वापस दिलवाई

**भरतपुर,** (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी का मोबाइल हैक कर 3 लाख 50 हजार रुपये की सायबर ठगी करने वाले एक आरोपी को भरतपुर पुलिस ने गांधीनगर (गुजरात) से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से ठगी की पूरी रकम पीड़ित को वापस दिलवा दी है।

जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनन्द के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय धर्मेन्द्र यादव एवं सहायक पुलिस अधीक्षक पंकज यादव के निकटतम सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। थाना कोतवाली भरतपुर के थानाधिकारी जितेन्द्र गंगवानी के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने सायबर ठग को गुजरात से गिरफ्तार किया है। कोतवाल जितेंद्र गंगवानी ने बताया कि 15 नवंबर 2025 को मुस्तगीस गिर्राज कॉलोनी, भरतपुर निवासी रेलवे के

पुलिस ने सायबर ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

सेवानिवृत्त कर्मचारी जयचन्द ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल हैक कर उनके बैंक खाते से आईएमपीएस के माध्यम से 3 लाख 50 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए।

इसके बाद आरोपी ने उक्त राशि को अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर नकद निकाल लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अनुसंधान के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी समीर शशीकान्त भाई गज्जर पुत्र शशीकान्त भाई गज्जर, सुथार निवासी एल-205 शाल्विक शुकन फ्लैट, बावोल, थाना सेक्टर-7, गांधीनगर (गुजरात) को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी के कब्जे से पीड़ित रेलकर्मी को ठगी की पूरी राशि वापस दिलवा दी गई है। आरोपी गांधीनगर (गुजरात) में दवाइयों एवं पैथोलॉजी लैब का व्यवसाय करता है। फिलहाल आरोपी के बैंक खातों एवं मोबाइल की गहनता से जांच की जा रही है, जिससे सायबर ठगी से जुड़े अन्य खुलासे होने की संभावना है।

# डूंगरपुर में पेड़ से लटके मिले नाबालिग प्रेमी युगल के शव

## दोनों के शव 15 दिन पुराने बताए जा रहे हैं, जिस वजह से बदबू भी आ रही थी

**डूंगरपुर,** (निसं)। डूंगरपुर के वरदा थाना क्षेत्र के मांडव गांव के पास पेड़ से नाबालिग प्रेमी युगल के शव लटके मिले। दोनों के शव 15 दिन पुराने बताए जा रहे हैं, जिस वजह से बदबू भी आ रही थी। दोनों एक जनवरी से घर से गायब थे। एक ही गोत्र के होने से परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। घर से करीब 500 मीटर दूरी पर दोनों के शव मिले हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वरदा थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने बताया कि सूचना मिली थी कि मांडव गांव के सांगेला तालाब

- 18 दिन से लापता थे, एक ही गोत्र के होने से परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे

के पास जंगल में एक पेड़ से युवक व युवती के शव लटके हुए है। वहीं शव काफी पुराने बताए जा रहे हैं, जिस वजह से काफी बदबू भी आ रही थी। सूचना पर वरदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर शवों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी करवाई। जांच के दौरान शवों की पहचान होने के बाद पुलिस ने परिजनों को मामले की सूचना दी। सूचना पर दोनों के परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में दोनों शवों को पेड़ से उतरवाया और सागवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के अनुसार दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे और शादी करना चाहते थे, लेकिन दोनों का गोत्र एक होने से परिजन शादी के लिए तैयार नहीं हुए। जिसके बाद एक जनवरी को दोनों घर से निकल गए थे और तब से गायब चल रहे थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## मादक पदार्थ सहित तीन गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने नशे के खिलाफ चलाये जा रहे ऑपरेशन गरूड़व्यूह के तहत नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से अवैध मादक पदार्थ 06.94 ग्राम एमडीएमए बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि गुमानपुरा थानाधिकारी महेश कुमार ने मय जाप्ता रामचन्द्र पुलिया के नीचे कैथून रोड़ पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। शहर एसपी ने बताया कि चैकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो कार में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 06.94 ग्राम एमडीएमए पदार्थ मिला। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए तालाब गांव निवासी साजिद हुसैन (25), कैथून निवासी मोहम्मद इमरान उर्फ चिकना (35) एवं मोहम्मद इरफान उर्फ काका को गिरफ्तार किया।

# कोटा में नौ लाख कीमत का अवैध डोडा-चूरा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए कार से अवैध मादक पदार्थ 48 किलो 820 ग्राम डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब नौ लाख रूपये बताई गई है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस उप अधीक्षक राजेश ढाका के सुपरविजन में मंडाना थाने के कार्यवाहक उपनिरीक्षक थानाधिकारी उतमसिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कोटा-झालावाड़ एनएच-52 पर टोल प्लाजा मंडाना के पास नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि वाहन चैकिंग के दौरान एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो कार से पुलिस टीम को 48 किलो

मंडाना पुलिस टीम ने 48 किलो डोडा-चूरा सहित कार जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद हुआ। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा बरामद किये गये अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 9 लाख रूपये करीब है। पुलिस टीम ने मौके पर मादक पदार्थ एवं कार को जब्त किया एवं एनडीपीएस एक्ट में जिला जैसलमेर के साकडिया निवासी प्रकाश राजपुरोहित (25) एवं देवीकोट निवासी सोमेन्द्र सिह राजपुरोहित (22) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

# प्रिंसिपल प्रमोशन के लिये काउंसलिंग स्थगित

**बीकानेर,** (निसं)। शिक्षा विभाग की ओर से प्रिंसिपल पदोन्नति के लिए शुरू की गई काउंसिलिंग प्रक्रिया फिलहाल स्थगित कर दी गई है।

विभाग ने पिछले दिनों प्रिंसिपल के प्रमोशन के लिए काउंसलिंग की तैयारियां शुरू की थीं और इसके लिए एक मेरिट लिस्ट भी जारी कर दी गई थी। शिक्षा विभाग ने हाल ही में प्रिंसिपल पदोन्नति के लिए काउंसलिंग की तैयारी शुरू की थी। काउंसलिंग

- हाईकोर्ट के आदेश के बाद शिक्षा विभाग का फैसला

केलेंडर के अनुसार 3801 प्रमोटी प्रिंसिपलों की वरियता सूची भी जारी कर दी गई थी। इस सूची के आधार पर काउंसलिंग के जरिए पदस्थापन किया जाना प्रस्तावित था। मेरिट के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के जरिए पदस्थापन दिया जाना था। इसके लिए विभागीय स्तर पर तिथियों और प्रक्रिया को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई थी। इसी बीच राजस्थान हाईकोर्ट ने इस संबंध में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश जारी किया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद शिक्षा विभाग ने काउंसलिंग प्रक्रिया को अगली आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार हाईकोर्ट के निर्देशों की पालना में यह निर्णय लिया गया है। अब कोर्ट से आगे के आदेश आने के बाद ही काउंसलिंग को लेकर अगली कार्रवाई की जाएगी।

काउंसलिंग स्थगित होने से प्रिंसिपल पदोन्नति का इंतजार कर रहे शिक्षकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सभी की नजरें अब हाईकोर्ट के आगामी आदेश और शिक्षा विभाग के अगले फैसले पर टिकी हुई हैं।

# पाटन में कछुआ बेचने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**पाटन,** (निसं)। स्थानीय पुलिस ने कछुआ बेचने के नाम पर ठगी के मामले में फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी आरोपी घोलूराम बावरिया को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले चार वर्षों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था।

पाटन थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि 12 मार्च 2021 को किशोरी लाल निवासी कांकड़ का तिबारा, दरीबा ने थाने में ठगी का मामला दर्ज कराया था। शिकायत के अनुसार, कृष्ण कुमार बावरिया ने मनोज कुमार और दिनेश कुमार को बिजली फिटिंग के काम के लिए अपने घर बुलाया था। इसी दौरान उनकी आपस में जान-पहचान हो गई। काम के दौरान कृष्ण बावरिया ने दोनों को बड़े मुनाफे का लालच दिया और अपनी बोलेरो, ब्रेजा गाड़ी व ट्रैक्टर दिखाकर भरोसा जीत लिया। 3 अप्रैल 2021 को कृष्ण बावरिया ने मनोज को फोन कर बताया कि दौसा की एक पार्टी के पास 'माल' है। इसके बाद उसने मनोज और दिनेश को पावटा बुलाकर सस्ते में कछुआ खरीदकर महंगे दामों में बेचने का झांसा दिया और 4 लाख 20 हजार रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान मुख्य आरोपी कृष्ण बावरिया को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, जबकि घोलूराम बावरिया और मामराज बावरिया घटना के बाद से फरार चल रहे थे। सीकर पुलिस अधीक्षक ने दोनों फरार आरोपियों पर 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। वांछित आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम ने बल्लपुरा, छाजा की नांगल, नारनौल, झुंझुनूं, कोटपूतली, मुंडावर, थानागाजी और अलवर सहित कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी। सायबर सेल सीकर के सहयोग से कॉल डिटेल रिकॉर्ड प्राप्त कर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने इनामी आरोपी घोलूराम बावरिया को गिरफ्तार कर लिया।

# पश्चिम बंगाल और पंजाब में हो रही है लोकतंत्र की हत्या : मदन राठौड़

## पश्चिम बंगाल अब 'शोनार बांग्ला' नहीं, बल्कि 'खूनी खेल का बन चुका मैदान : मदन राठौड़

**पाली/ जयपुर ।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पाली प्रवास के दौरान पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार और पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार लोकतंत्र, प्रशासनिक ईमानदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का काम कर रही है। राठौड़ ने कहा कि जादवपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 110 पर तैनात बूथ लेवल ऑफिसर () अशोक दास की आत्महत्या लोकतंत्र की हत्या है। वार्ड नंबर 109 की टीएमसी नेता अनन्या बनर्जी और राजू बिस्वास द्वारा अशोक दास पर अवैध मतदाताओं-रोहिंग्या एवं घुसपैठियों- के नाम मतदाता सूची से न हटाने का दबाव बनाया गया। ऐसा न करने पर उन्हें एवं उनके परिवार को जान से मारने की धमकियाँ दी गईं। ऐसे में लगातार मानसिक प्रताड़ना और भय के वातावरण के कारण अशोक दास ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया, जिसकी भाजपा कड़ी निंदा करती है।

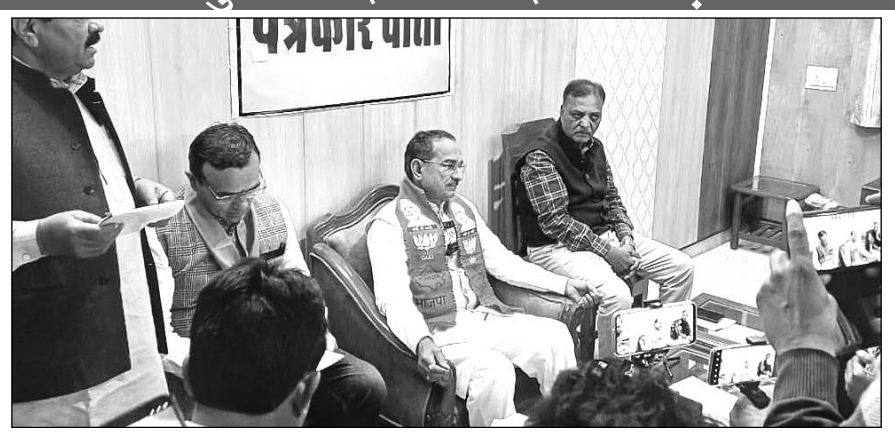

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पाली प्रवास के दौरान पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज बंगाल में टीएमसी का अर्थ बदल चुका है। टीएमसी मतलब तुष्टिकरण, माफिया एवं गुंडाराज और क्राइम कल्चर बन गया है। राठौड़ ने चाकुलिया (उत्तर दिनाजपुर) में बीडीओ कार्यालय में हुई हिंसा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जहां मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुनवाई के दौरान भीड़ ने कार्यालय में आगजनी की और मशीनों को क्षितग्रस्त किया। यह स्पष्ट रूप से लोकतंत्र की हत्या ही है। टीएमसी फर्जी आईडी रैकेट और घुसपैठियों के सहारे चुनाव जीतने के लिए चुनाव आयोग की पारदर्शी प्रक्रिया को बाधित कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वहीं दूसरी ओर पंजाब की भगवंत मान सरकार मीडिया की आवाज़ दबाने का कार्य कर रही है। राठौड़ ने कहा कि बिना किसी नोटिस या वैधानिक आदेश के पंजाब केसरी समूह के बठिंडा एवं जालंधर (सूरानुसी) स्थित प्रिंटिंग प्रेस पर छापेमारी की गई, जहां पत्रकारों और कर्मचारियों के साथ मारपीट कर उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया। इतना ही नहीं, पंजाब में आप पार्टी की सरकार की आलोचना करने वाले यूट्यूबर्स और डिजिटल मीडिया पर एफआईआर दर्ज की जा रही है, विपक्षी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिजली काटना एवं सिग्नल जाम करना आम हो गया है।

- 'पश्चिम बंगाल में बीएलओ पर अवैध घुसपैठियों के नाम ना हटाने का दबाव, पंजाब में मीडिया की आवाज दबा रही सरकार'

# राष्ट्रीय एसटीटीपी का आयोजन 10 से 14 फरवरी तक

**जयपुर।** नरनारायण शास्त्री इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस एंड साइबर सिक्योरिटी जेतलपुर, अहमदाबाद में प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर के एक सप्ताह के हाइब्रिड शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर प्रवास के दौरान आयोजन समिति सदस्य एवं संस्थान की व्याख्याता डॉ विशाली शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम के अंतर्गत 10 से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा।

- राष्ट्रीय स्तर के एक सप्ताह के हाइब्रिड शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है

कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर शास्त्री स्वामी आत्मप्रकाश एवं शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तम प्रकाशदास के सानिध्य में एक समिति का गठन किया गया है जिसके मुख्य संरक्षक संस्थान प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष धर्मेश वंडरा, संरक्षक प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शैलेश अय्यर एवं कैंपस डायरेक्टर संजय शर्मा, संयोजक संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ निकुंज थहिलरमाणि, आयोजन सचिव सहायक प्राध्यापक विनय असेरी, समन्वयक सहायक प्राध्यापक डॉ आकाश ठक्कर हैं एवं आयोजन समिति सदस्यों में डॉ विशाली शर्मा, डॉ कल्पेश सोलंकी, डॉ सचिन देव, मिस खुशबू गौतम, अनन्त कुमार पाटिल, मिस मीनल शाह को शामिल किया गया है

एनएसआईटी- आईएफएससीएस के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शैलेश अय्यर ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम गुजरात सेक्शन से तकनीकी प्रायोजन प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है।

# पौष बड़ा कार्यक्रम आयोजित

**जयपुर ।** वैशाली नगर की महादेव नगर कॉलोनी में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान के साथ भजन संध्या और पौष बड़ा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कॉलोनी के वरिष्ठ सरजू शरण गुप्ता ने बताया कि नव वर्ष के प्रारंभ में कॉलोनी के 75 वर्ष से अधिक सुपर सीनियर सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 18 वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही पौष बड़ा और भजन संध्या भी आयोजित की गई। महादेवन समिति के अध्यक्ष करण यादव ने बताया कि 150 परिवारों के इस सामूहिक आयोजन से कॉलोनीवासियों को एक दूसरे से मिलने और विचारों को साझा करने का मौका मिला जिससे एक परिवार के रूप में पड़ोसी प्रथम के भाव प्रबल होते हैं। कॉलोनी के ऋषि मोहन यादव ने बताया कि बरसाना के विख्यात बृजेश शर्मा और टीम ने गोविंद आओ जी, कान्हा मेला में ले चालो रे, चलो बुलावा आया है ।

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संवर रही नौनिहालों की किस्मत

**उदयपुर/जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के सुदूर जनजाति अंचलों में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (ईएमआरएस) शिक्षा, समरसता और सामाजिक सुरक्षा के क्षितिज पर सूरज की तरह चमक रहे हैं। राज्य के 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के बच्चे नीट, आईआईटी, जेईई जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कंप्यूटर लैब, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसे नवाचार जनजातीय बालक-बालिकाओं के सपनों में नए रंग भर रहे हैं। इनमें 6 हजार 710 बालक और 4 हजार 909 बालिकाएं शामिल हैं। अभावों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर आशंकित माता-पिता की आंखों में नौनिहालों के सुनहरे भविष्य की चमक और चेहरे पर आत्मविश्वास की झलक साफ देखी जा सकती है। राज्य के ईएमआरएस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित भविष्य की गारंटी का असर है कि सत्र 2024-25 में 9 हजार 999 बच्चों के मुकाबले शैक्षिणक सत्र 2025-26 में 1 हजार 620 अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। प्रवेश परीक्षा में बैठने वाले बच्चों की संख्या भी साल दर साल बढ़ी है।राजस्थान स्टेट एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल सोसायटी द्वारा राज्य में संचालित सीबीएसई से संबद्ध 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल विद्यालयों में से नवीनतम 31वां विद्यालय जमवारामगढ़ (जयपुर) में जून 2025 से प्रारंभ किया गया है। सभी ईएमआरएस विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक कक्षाएं संचालित होती हैं। कक्षा 11 एवं 12 में विज्ञान और कला संकाय उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें, आवास, भोजन, पौष्टिक आहार, जूते-मौजे सहित दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड वर्चुअल रिएलिटी, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर, ब्यूटी एंड वेलनेस, एग्रीकल्चर तथा ऑटोमोटिव स्किल लैब्स में इन विद्यालयों में संचालित की जा रही हैं। इन विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद और सह-शैक्षिक गतिविधियों पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। शैक्षिणक सत्र 2025-26 में राज्य स्तरीय स्टेट स्पोर्ट्स मीट-2025 उदयपुर में से चयनित 154 विद्यार्थियों ने ओडिशा के राउरकेला में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स मीट-2025 में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 9 इवेंट्स में पदक अर्जित किए। वहीं, राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक फेस्ट-2025 उदयपुर में से चयनित 59 विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक एवं साहित्यिक फेस्ट-2025 में भाग लिया।

- डबल इंजन सरकार के एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल जनजाति अंचल में लिख रहे सुनहरे भविष्य की नई गाथा

# दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर।** नाहरगढ रोड थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने इन आरोपियों के पास से एक चोरी का दुपहिया वाहन (बाइक) भी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। नाहरगढ़ रोड थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के शातिर बदमाश सोनू उर्फ भरत सोनी (19) निवासी जयसिंह पुरा खोर जयपुर और विशाल नाथवानी (24) निवासी आगरा (उत्तर प्रदेश) हाल जयसिंहपुरा खोर जयपुर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का एक दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस को अन्य चोरी की वारदातों के खुलासे की भी उम्मीद है।

# 'हमारा बेस संघ देशभक्त निर्माण की पाठशाला'

**छबड़ा/जयपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि हमारा बेस हिंदुत्व है।उन्होंने ये भी कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ केवल एक संगठन नहीं,जीवन जीने की पाठशाला है।जहाँ तपकर देश पर मरने मिटने वाले देशभक्त तैयार होते हैं।विधाभारती उसी की शाखा है।जिसका लक्ष्य ऐसे शिक्षित इंसान तैयार करना है,जो चरित्रवान हो।कुशल हो।संस्कारवान हो।जिनका जीवन भारतीय संस्कृति के अनुरूप हो।उनकी रग-रग में भारतीय सांस्कृति का समावेश हो।देश के प्रति वफ़ादारी का जज़्बा हो।

- राजे छबड़ा में आदर्श विद्यामंदिर के नव निर्मित प्रथम तल के लोकार्पण समारोह में शामिल हुई

राजे छबड़ा में आदर्श विद्यामंदिर के नव निर्मित प्रथम तल के लोकार्पण समारोह में बोल रहीं थी।उन्होंने कहा विद्या भारती समाज के कमजोर परिवारों को शिक्षित कर उन्हें स्वावलंबी बनाने में जुटी हुई है।आज देश में 33 लाख विधार्थी विद्या भारती द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में अध्यन कर रहें है। पूर्व सीएम ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब वसुन्धरा राजे मुख्यमंत्री बन सकती है तो आप क्यों नहीं ? जब प्रतिभा पाटिल और द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बन सकती है तो छबड़ा के आदर्श विद्या मंदिर की बेटियां क्यों नहीं ? कार्यक्रम को विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री शिव प्रसाद, सांसद दुष्यंत सिंह, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, कथावाचक प्रियंका भारती ने भी संबोधित किया।

# जयपुर में मोशन एजुकेशन के नए सेंटर का शुभारंभ

**जयपुर।** अगर इंसान पूरे दिल, समर्पण और फोकस के साथ काम करे, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। यह प्रेरक संदेश मोशन एजुकेशन के संस्थापक और प्रसिद्ध शिक्षाविद नितिन विजय यानी एनवी सर ने जयपुर में मोशन एजुकेशन के नए स्टडी सेंटर के उद्घाटन अवसर पर दिया।

एनवी सर ने बताया कि मोशन एजुकेशन की शुरुआत 7 दिसंबर 2007 को एक छोटे से कमरे में फिजिक्स की क्लास से हुई थी। उस समय संसाधन सीमित थे, लेकिन उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था-विद्यार्थियों को सही दिशा देना और उनकी मदद करना। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, स्पष्ट लक्ष्य और छात्रों के प्रति समर्पण ने मोशन को आज लाखों छात्रों की जिंदगी बदलने वाला अग्रणी संस्थान बना दिया है।

एनवी सर ने कहा कि मोशन एजुकेशन का लक्ष्य सिर्फ अच्छे रिज़ल्ट देना नहीं, बल्कि हर बच्चे को उसकी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर देना है। यहां छात्रों की कमजोरियों को दूर करने और उनकी मजबूती को निखारने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसी वजह से कोटा में मोशन एजुकेशन अपने उत्कृष्ट सेलेक्शन प्रतिशत के लिए जाना जाता है और देशभर के छात्र यहां पढ़ने का सपना देखते हैं।

मोशन एजुकेशन के संस्थापक नितिन विजय यानी एनवी सर ने जयपुर में मोशन एजुकेशन के नए स्टडी सेंटर के उद्घाटन किया।

एनवी सर ने बताया कि आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग से अब आईआईटी-जेईई और नीट जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी पहले से कहीं ज्यादा आसान और प्रभावी हो गई है। मोशन एजुकेशन का एआई आधारित सिस्टम हर छात्र की परफॉर्मेंस का विश्लेषण करता है और उसके लिए पर्सनलाइज्ड प्रैक्टिस प्रश्न तैयार करता है। जब छात्र मोशन लर्निंग ऐप पर सवाल हल करते हैं या टेस्ट देते हैं, तो सिस्टम यह पहचान लेता है कि छात्र किस टॉपिक में मजबूत है और कहां उसे ज्यादा अभ्यास की जरूरत है। इसके बाद छात्र को उसके स्तर के अनुसार आसान, मध्यम या कठिन प्रश्न दिए जाते हैं। इससे कमजोर विषयों पर बार-बार अभ्यास होता है और परीक्षा से पहले ही कमियां दूर हो जाती हैं।

# 'हमारी संसाधनों को पूजने वाली संस्कृति बहुत महत्वपूर्ण'

**जयपुर।** विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि आज जब पूरा विश्व संसाधनों की कमी से जूझ रहा है ऐसे में हमारी संसाधनों को पूजने वाली संस्कृति बहुत महत्वपूर्ण है। आज उर्जा के स्त्रोत पैट्रोल, डीजल, कोयला, पानी, शुद्ध वायु निरन्तर कम होते जा रहे हैं। ऐसे में मानवता को बचाने के लिए उर्जा के नए स्त्रोत काम में लिए जा रहे हैं। उनमें से एक बहुत बड़ा स्त्रोत भगवान सूर्य की उर्जा का उपयोग भी है और सम्पूर्ण भारत में इसका विकास तीव्र गति से हो रहा है। स्पीकर देवनानी रविवार को यहां वी.टी. रोड ग्राउण्ड मानसरोवर में भारत रिन्यूएबल एक्सपो 2026 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने पीएम सूर्यघर पुरस्कार प्रदान किए। स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा प्रदेश होने के साथ खनिज सौर उर्जा की उपलब्धता वाला बड़ा प्रदेश है। सीमावर्ती जिले बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, फलोदी इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। देवनानी ने कहा कि यह आयोजन केवल एक एक्सपो नहीं, बल्कि भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक मजबूत संकल्प और साझा प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चिन्तन-मनन और विचार करें, पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे समय में भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से अग्रसर है।

- देवनानी ने भारत रिन्यूएबल एक्सपो में पीएम सूर्यघर पुरस्कार प्रदान किए

स्पीकर देवनानी ने कहा है कि राजस्थान को प्रकृति ने प्रचुर सूर्य प्रकाश और विशाल भू-भाग का वरदान दिया है। यही कारण है कि आज राजस्थान देश के अग्रणी सोलर और विंड एनर्जी उत्पादक राज्यों में शामिल है। थार के मरुस्थल से लेकर राज्य के विभिन्न अंचलों तक, सोलर पार्क, विंड फार्म और हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स न केवल ऊर्जा उत्पादन कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और विकास के नए अवसर भी सृजित कर रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा बनाई गई प्रगतिशील नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ने राजस्थान को रिन्यूएबल एनर्जी निवेश का एक प्रमुख केंद्र बना दिया है।

# स्विमिंग ट्रेनिंग के कोच ने 11वी छात्रा से की छेड़छाड़

**जयपुर।** बजाज नगर थाना इलाके में स्विमिंग ट्रेनिंग देने वाले कोच ने एक 11वी क्लास की छात्रा से अश्लील हरकते की। जिसके बाद पीड़ित छात्रा ने कोच की हरकतों के बारे में परिजनों को बताया। गुस्साए परिजनों ने पीड़ित नाबालिग छात्रा को थाने ले जाकर आरोपी कोच के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़ित छात्रा के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है। वहीं मामले की भनक लगने के बाद आरोपी कोच अपना मोबाइल फोन बंद फरार हो गया।

थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि 11 वीं क्लास में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा की मां का आरोप है कि उसकी बेटी प्राईवेट स्कूल में पढ़ती है और स्विमिंग की ट्रेनिंग कर रहीं है। आरोप है कि करीब 2 साल से स्विमिंग ट्रेनिग के दौरान कोच उसके साथ अश्लील हरकते करता है। मामले की जानकारी मिलने के बाद गुस्साई मां ने कोच से समझाईश की । लेकिन कोच ने नाराजगी जाहिर करते हुए नाबालिग छात्रा को ट्रेनिंग देना बंद कर दिया।जिसके बाद पीड़ित मां ने आरोपी कोच के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया।

## सार-समाचार

### शिव विवाह महोत्सव कथा आयोजित

**जयपुर।** टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट द्वारा नेहरू नगर पानीपेच स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय श्री शिव विवाह महोत्सव कथा के दूसरे दिन कथावाचक धनश्रीराम जी ने बताया कि माता पार्वती को सभी देवी देवता ब्राह्मण विष्णु विवाह के लिए मनाते है, तत्पश्चात माता पार्वती अपनी सखियों को बुलाती है मेहंदी लगवाने के लिए, मेरे मेहंदी लगाओ, कथा में पार्वती का रूप धारण किया गया। टीम 39 के प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी एवं मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि कथा 19 तारीख तक दो से बजे तक रहेगी एवं समापन होगा। कार्यक्रम में राम प्रकाश शर्मा राजेश राजोरिया रईस खान घनश्याम शर्मा अतुल अग्रवाल दुर्गा लाल चौधरी गोपाल शर्मा जी मोहनलाल जी अग्रवाल सुधीर जी नाटाणी अशोक जी शर्मा आदि उपस्थित रहें।

### मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने वाला तस्कर गिरफ्तार

**जयपुर।** श्याम नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 18.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई मादक पदार्थ स्मैक की बाजार कीमत 3.5 लाख रुपये आंकी गई है। फिलहाल आरोपित तस्कर से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित किशोर शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले सन्नी शर्मा(20) निवासी करणी विहार हाल श्याम नगर जयपुर को सुन्दर नगर बी इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पास 18.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक मिली है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

### महापौर कुसुम यादव ने किया महिला बैच का शुभारंभ

**जयपुर।** रामगढ़ मोड़ स्थित रॉयल कंप्यूटर संस्थान में महिलाओं के लिए आरएससीआइटी और आरएससीएफए कम्प्यूटर कोर्स बैच का शुभारंभ निवर्तमान महापौर कुसुम यादव ने फीता काटकर किया ।निवर्तमान महापौर कुसुम यादव ने विद्यार्थियों को आरएससीआइटी कंप्यूटर कोर्स के महत्व और सरकारी नौकरियों में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।साथ ही कंप्यूटर का ज्ञान दैनिक जीवन में अत्यंत उपयोगी है इसलिए सभी को इसकी जानकारी होनी चाहिए।इस दौरान जयपुर शहर उपाध्यक्ष अजय यादव रॉयल कंप्यूटर संस्थान के निदेशक मुकेश यादव, नरेश शर्मा और विधार्थी उपस्थित रहे ।

### स्पीकर वासुदेव देवनानी जायेंगे आज

**जयपुर ।** विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सोमवार को लखनऊ जायेंगे। स्पीकर देवनानी 19 जनवरी से 21 जनवरी तक लखनऊ में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लेंगे। श्री देवनानी का बुधवार को जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

# मौनी अमावस्या पर गोविंद देवजी मंदिर में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

**जयपुर।** मौनी अमावस्या के अवसर पर रविवार को गोविंद देवजी मंदिर में गंगाजल से पितृ शांति अभिसींचन एवं पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में करीब तीन घंटे तक चला।

- कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, वेद माता एवं गुरु सत्ता के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की

महायज्ञ में दिवंगत पितृगणों की शांति के लिए यम गायत्री महामंत्र के साथ विशेष आहुतियां दी गईं। छह पारियों में हुए यज्ञ में 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता की, जबकि 5 हजार से अधिक लोगों ने यज्ञ के दर्शन किए। प्रयागराज की त्रिवेणी से लाए गए जल से श्रद्धालुओं का अभिसींचन किया गया।

गोविंद देवजी मंदिर में पितृ शांति अभिसींचन एवं पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया ।

कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, वेद माता एवं गुरु सत्ता के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की।

यज्ञ का संचालन गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की ओर से गायत्री कचोलिया, हेमंत मिश्रा और अजय भारद्वाज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया।

इस दौरान हेमंत मिश्रा ने सूर्य को प्रतिदिन अर्घ्य देने के धार्मिक एवं वैज्ञानिक पक्ष पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त में तांबे के पात्र से सूर्य को अर्घ्य देने से शरीर का संतुलन बेहतर रहता है।

कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भस्थ शिशु के विकास के लिए पुंसवन संस्कार तथा सात्विक आहार से संबंधित अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराए गए।

गायत्री चेतना केंद्र, जनता कॉलोनी की ओर से आयोजित बुक फेयर में आध्यात्मिक, नैतिक और जीवन उपयोगी पुस्तकों को लागत मूल्य पर उपलब्ध कराया गया।

# राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों को भावभीनी विदाई

**जयपुर।** राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन के बाद भ्रमण कार्यक्रम के लिए आए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल को रविवार को प्रात: भावभीनी विदाई दी गई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सभी अतिथियों को गुलाब का फूल भेंट कर गरिमामय एवं पारंपरिक तरीके से जयपुर हवाई अड्डे से विदाई दी। सभी अतिथियों ने राजस्थान में मिले आतिथ्य को अभूतपूर्व बताया। कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और पीठासीन अधिकारियों का अन्तर्राष्ट्रीय दल राजस्थान के ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों, भव्य आतिथ्य और विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों की अविस्मरणीय स्मृतियों को संजोते हुए जयपुर से रवाना हुआ। राष्ट्रमण्डल संसदों के स्पीकर और पीठासीन अधिकारियों ने स्वागत के समय भेंट किये गये दुपट्टे को जाते समय तक गले में पहने रखा। प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने देवनानी का यादगार आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया। देवनानी को पीठासीन अधिकारियों ने उनके सम्मान में दिये गये रात्रि भोज में राजस्थान के पारम्परिक और स्वादिस्ट व्यंजनों और आवभगत की खूब तारीफ की। उनके सम्मान में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकनृत्य और लोक बाध्य यंत्र की मधुर ध्वनि पारम्परिक आतिथ्य और राजस्थानी संस्कृति की जीवंत झलकने विदेशी महमानों को विशेष रूप से आकृषित किया।सदस्यों ने यहां के पर्यटन स्थलों और इतिहास को समृद्ध और अद्वितीय बताया है। अल्बर्ट हॉल के भव्य संग्रहालय की दुर्लभ कला कृतियों ने कॉमनवेल्थ प्रतिनिधि मण्डल को गहराई से प्रभावित किया। सदस्यों ने हवामहल की बेजोड स्थापत्य कला की भूरी-भूरी प्रशंसा की और संध्या काल में हवामहल के मनमौहक दृश्य को अदभूत बताया। विश्व विख्यात आमेर महल की ऐतिहासिक और दिव्य भव्य छटाने प्रतिनिधियों को अभिभूत कर दिया।

- अतिथियों ने आतिथ्य की भरपूर प्रशंसा की राजस्थान यात्रा के सुखद अनुभवों के साथ संसदीय दल जयपुर से हुआ रवाना

# चंबल को प्रदूषण मुक्त रखने के लिये पदयात्रा और रैली निकाली

**कोटा,** (निसं)। चंबल नदी के मूल स्वरूप को संरक्षित रखने और इसमें गिरते गंदे नालों के पानी को रोकने के उद्देश्य से 'हम लोग' संस्था और कोटा-केशोरायपाटन के पर्यावरण प्रेमियों ने रविवार को एक पदयात्रा और विशाल 'चंबल बचाओ रैली' का आयोजन किया।

पदयात्रा का शुभारंभ राज राजेश्वर मंदिर प्रांगण से हुआ, जो चंबल नदी के किनारे होते हुए केशव मंदिर के नीचे स्थित विष्णु घाट पर पहुंची। रैली में युवा नेता कुंदन चीता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा, महिलाएं, प्रमुख व्यक्ति और संस्था के पदाधिकारी शामिल हुए, प्रतिभागियों ने हाथों में 'चंबल को स्वच्छ रखो', 'नदी बचाओ', 'घाटों का विकास करो' जैसे संदेश वाली तख्तियां थामे पैदल, मोटरसाईकिल और वाहनों पर सवार होकर वे चंबल की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के नारे लगाते हुए आगे बढ़े।

चंबल को प्रदूषण मुक्त रखने के लिये पदयात्रा और रैली निकाली गई है।

केशव मंदिर के मुख्य घाट पर रैली एक विचार गोष्ठी में परिवर्तित हो गई, गोष्ठी को संबोधित करते हुए हम लोग संस्था व चंबल बचाओ अभियान के प्रेरक डॉ.सुधीर गुप्ता ने चंबल में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए सामाजिक और स्थानीय जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चंबल देश की सबसे स्वच्छ नदी है, जो कोटा शहर, बूंदी और आसपास के सैकड़ों गांवों की जीवनदायिनी है, संस्था ने प्रशासन को अवगत कराया और सुझाव दिए हैं, स्थानीय सांसद व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संज्ञान लेते हुए उचित बजट का आश्वासन दिया है, एक सीवेज प्लांट की मंजूरी मिल चुकी है, जिसका निर्माण शीघ्र शुरू होगा, इससे कस्बे के गंदे नालों का शोधित पानी ही नदी में छोडा जाएगा।

पर्यावरण प्रेमी कुंदन चीता, श्याम मनोहर हरित, केशव राय मंदिर के पुजारी पंडित लोकेश शर्मा, मुखिया बृजेश काईलिया, मनीष कविराज, राकेश प्रजापति, एडवोकेट बीटा स्वामी ने संबोधन में चंबल को बचाने के सुझाव दिए, एडवोकेट स्वामी ने साप्ताहिक श्रमदान से घाटों की सफाई का प्रस्ताव रखा। कुंदन चीता ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया स्थानीय निवासियों ने घाटों के विकास में गति लाने और नदी में गंदगी न डालने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर कोटा से आए पर्यावरण प्रेमी, हम लोग संस्था के अशोक शर्मा, राजू गुप्ता, अजय चौधरी, सौरभ मेहता, हर्षाली श्रीवास्तव, टी.पी. सेठी, सुशील सिंह उपस्थित रहे। श्याम मनोहर हरित, देवकिशन मीना, भागीरथ मीणा, गजेंद्र सिंह, शशि शर्मा, मनीष कविराज, पार्षद श्यामा बाई नामा, महेश नामा, पूर्व पार्षद मूलचंद बाथला, जगदीश वर्मा, महेंद्र शर्मा, पार्षद तुषार शर्मा, नागेश नागर, हनुमान मीणा, हरिशंकर सुमन, अरविंद भूतिया, भगीरथ मीणा ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विचार रखे। सभी पर्यावरण प्रेमियों ने आगामी दिनों में चंबल में बढ़ती गंदगी रोकने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया।

# हमारे यहाँ काटने की नहीं जोड़ने की परंपरा है : महामंडलेश्वर मधुसूदानंद गिरी

**भवानीमंडी,** (निसं)। हमारे देश में काटने की नहीं जोड़ने की परंपरा है क्योंकि भारत की सनातन संस्कृति ने हमेशा जोड़ने का संदेश दिया है यह बात शहर के शिवाजी बस्ती में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में मुख्य अतिथि ओर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के सेमलिया रतलाम के श्री निरंजनी अखाड़ा अन्नपूर्णा शक्ति पीठ के महामंडलेश्वर स्वामी मधुसूदानंद गिरी ने कही।

महामंडलेश्वर मधुसूदानंद ने हिंदू सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत हिंदुओं का देश होते हुए भी हमें हिंदू सम्मेलन करने की आवश्यकता पड़ रही है जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि हर घर के बाहर तुलसी का पौधा, घर मे भगवत गीता और रामायण होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि आप सात वारों में मत उलझो आप तो अपने आठवें वार यानि परिवार को संभालिये आपका जीवन सुधर जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि अपने जीवन में एक पौधा लगाइये और उसका पोषण करें ताकि जब आपकी मृत्यु हो और आपके अंतिम संस्कार में जो लकड़ी काम में ली जाए तो उसका कर्ज आप उतार सको।

साथ ही उन्होंने कहा कि जिन देशों ने मोबाईल का अविष्कार किया लेकिन उनके यहाँ बच्चों को 18 वर्ष तक उन्हें मोबाईल नहीं दिया जाता लेकिन भारत में माताएं छोटे छोटे बच्चों को मोबाईल देकर सुलाती है तो सोचो आज हम कहाँ जा रहे हैं। वहीं कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाहक राधेश्याम पारेता व वंदना पाटीदार ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान कार्यक्रम की प्रस्तावना संयोजक गोविंद सिंह परिहार ने रखी। कार्यक्रम में राधेश्याम गुप्ता, सीताराम नवाल, द्वारकादास पोरवाल ओर आयोजन समिति अध्यक्ष महेश खंडेलवाल भी मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन विवेक जैन पिंटू ने किया। इससे पूर्व दोपहर को भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति शामिल रही। कार्यक्रम के बाद सामुहिक हनुमान चालीसा ओर भारत माता की आरती की गई और सामुहिक भोज का आयोजन किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

# क्षेत्रीय मेघवाल विकास समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

**रामगंजमंडी** (निसं)। क्षेत्रीय मेघवाल विकास समिति, रामगंजमंडी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को मारुति नगर स्थित मेघवाल समाज छात्रावास में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा रामदेव जी व डॉ. भीमराव अंबेडकर को माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

मुख्य अतिथि कलावती ओम फौजी (प्रधान, पंचायत समिति खैराबाद) रहीं। विशिष्ट अतिथि के प में रामचंद्र मेघवाल (संभागीय अध्यक्ष, मेघवाल समाज कोटा) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कन्हीराम बोरदी ने की। जबकि मंच संचालन राजेन्द्र धानिया द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद गेहलोत (सातलखेड़ी) के साथ पूरी कार्यकारिणी जिसमें संरक्षक कन्हीराम (बोरदी) उपाध्यक्ष जुगलकिशोर (रामगंजमंडी) कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार (मदनपुरा) सचिव मांगीलाल गोयन्दा महामंत्री देवलाल (मोडक गाँव) संगठन महामंत्री अमरलाल (हिरयाखेड़ी) प्रचार मंत्री भैरुलाल (देवली खुर्द) महिला मंत्री कमलेश बाई (पत्नी फूलचन्द मुण्डिया) सदस्य बीरम (नामतखेड़ी), कंवरलाल (पूर्व सरपंच, बोरदी) एवं भैरुलाल (जुल्मी) को समाज सेवा और संगठन की मजबूती की शपथ दिलाई गई।

नवनियुक्त अध्यक्ष आनंद गेहलोत ने समाज के लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता शिक्षा को बढ़ावा देना और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना रहेगा। मुख्य अतिथि कलावती ने समाज की एकता और युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों के लिए स्वरुचि भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रामगंजमंडी क्षेत्र के समस्त मेघवाल समाज के प्रबुद्धजन और भारी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

# 'प्रदूषण के कारण तेजी से फैल रही एलर्जी, जागरुकता बेहद जरूरी'

**कोटा,** (निसं)। हाड़ौती एलर्गोकॉन 2026 का सफल आयोजन रविवार को बूंदी रोड स्थित होटल मैनाल में हुआ जिसमें एलर्जी के कारण, निवारण, नई तकनीक, नई दवाएं, नए शोध और नई जांचों के बारे में विस्तार से मंथन किया गया।

डॉ.केवल कृष्ण डंग एवं डॉ.संजय जायसवाल ने बताया कि जायसवाल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड न्यूरो इंस्टीट्यूट, कोटा (राजस्थान) और अस्थमा केयर सेंटर, कोटा (राजस्थान) पुलमोएवा फाउंडेशन सोसाइटी के तत्वावधान में और इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी के सहयोग से इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के 350 से अधिक चिकित्सकों ने शिरकत कर विशेषज्ञों के व्याख्यान के माध्यम से नए शोध और उपचार की नई तकनीक को जाना और एलर्जी से सम्बंधित कई विषयों की अहम जानकारी प्राप्त की।

- **हाड़ौती एलर्गोकॉन 2026 का सफल आयोजन, नई तकनीक, नए टेस्ट और एलर्जी के कारणों पर मंथन**
- **बच्चों में फूड एलर्जी सबसे अधिक, लेकिन प्रोपर टेस्ट के बाद ही फूड से बनाएं दूरी**

सम्मेलन में दिल्ली से आए देश के प्रख्यात एलर्जी विशेषज्ञ डॉ.पी.सी. कथूरिया ने कहा कि देश में आंखों की एलर्जी अधिक होती है, वहीं बच्चों में फूड एलर्जी अधिक देखने को मिल रही है, जिंस, एनवायमेंट और इम्यूनिटी शिष्टम मिलकर एलर्जी का रूप लेते हैं, उन्होंने कहा कि एलर्जी डिजीज बढ़ रही है, इस पर मंथन किया गया है।

डॉ. विरेन्द्र सिंह अस्थमा भवन राजस्थान हॉस्पिटल ने कहा कि विकासशील देश में एलर्जी तेजी से बढ़ रही है और इसका मुख्य कारण प्रदूषण है। उन्होंने कहा कि एलर्जी के लिए पहले कारण ढूंढे, फिर निवारण हो। डॉ.सिंह ने कहा कि हमारे यहां पोलन से भी एलर्जी अधिक होती है। यह आयोजन देश व प्रदेश में एलर्जी को लेकर सकारात्मक संदेश देगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार अग्रवाल, संभागीय आयुक्त कोटा रहे। सम्मानित अतिथि डॉ.संगीता सक्सेना, एमडी (रेडियोलॉजी), प्रिंसिपल एवं कंट्रोलर, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कोटा, विशिष्ट अतिथि डॉ.नरेंद्र नागर सीएमएचओ, कोटा, डॉ.सुपूर्णा सेनरॉय, चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे अस्पताल कोटा रहे। मास्टर ऑफ सेरेमनी डॉ.यशस्वी गौतम एंड डॉ.ज्योति डंग का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

**बिना चिकित्सक की सलाह के एंटी एलर्जी दवाएं नहीं हैं, नहीं तो बढ़ सकती है बीमारी:-** डॉ.एलके गुप्ता (आंच हॉस्पिटल के निदेशक) ने बताया कि बच्चों में एलर्जी बढ़ रही है, जिसमें आंख से पानी आना, गला खराब होना, जुकाम, छींके आना, सांस फूलना शामिल है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की सलाह के बिना एंटी एलर्जी की दवाएं नहीं लें नहीं तो बीमारी बढ सकती है, अस्थमा हो सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में फूड एलर्जी होती है, लेकिन प्रोपर टेस्ट के बिना बच्चों के खाद्य पदार्थों को बंद नहीं करें, नहीं तो उसका इम्यूनिटी सिस्टम कमजोर हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमे एलर्जी का कारण ढूंढना आवश्यक है। डॉ.केवल कृष्ण डंग एवं वनस्पति विभाग, राजकीय महाविद्यालय कोटा की प्रोफेसर डॉ.नीरजा श्रीवास्तव द्वारा वायु एलर्जी और मानव स्वास्थ्य पर अखिल भारतीय समन्वित परियोजना (2008) के अध्ययन के आधार पर हाड़ौती क्षेत्र में एलर्जी उत्पन्न करने वाले लगभग 28 प्रकार के पेड़-पौधों की पहचान की गई है। इनमें प्रमुख रूप से विलायती बबूल, एरिया, गाजर घास, बथुआ, बंदर की रोटी, कांटेदार चौलाई, पीली कांटेली, अल्स्टोनिया तथा कोनोकार्पस शामिल हैं।

# सीसीटीवी की सतर्क निगरानी से यात्री की जेबकतरी का त्वरित खुलासा

**कोटा,** (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल अंतर्गत सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत स्टेशन पर स्थित टिकट काउंटर क्षेत्र में एक यात्री द्वारा जेब से नकदी चोरी की सूचना दिए जाने पर रेलवे सुरक्षा बल ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की।

- **ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत सवाई माधोपुर स्टेशन पर आरोपी पकड़ाया, चोरी की राशि बरामद**

फुटेज के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर उसे तुरंत पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ के दौरान चोरी की गई नकद राशि बरामद की गई। प्राथमिक जांच में आरोपी की संलिप्तता स्पष्ट पाए जाने पर उसे आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु राजकीय रेलवे पुलिस को सौंप दिया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि इस कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया, तकनीकी निगरानी और समन्वित प्रयासों से घटना का शीघ्र खुलासा संभव हो सका।

यह घटना स्टेशन परिसरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की उपयोगिता और यात्रियों की सुरक्षा के प्रति रेलवे की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रेलवे प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा असुविधा की स्थिति में तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या संबंधित अधिकारियों को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

# विशेष स्वास्थ्य संवाद आयोजित

**कोटा,** (निसं)। ईथॉस हॉस्पिटल, कोटा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'गोल्डन हेल्थ टॉक' नामक विशेष स्वास्थ्य जाग कता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्णत: जनहित में आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठजनों को स्वास्थ्य, देखभाल और सक्रिय जीवनशैली से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महंत गोदावरी धाम शैलेन्द्र भार्गव रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद शर्मा, होटल फेडरेशन के संभागीय अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्पाइन सर्जन डॉ. गौरव मेहता ने वरिष्ठ नागरिकों को रीढ़ की सर्जरी, रिकवरी प्रक्रिया तथा आधुनिक सर्जिकल तकनीकों की जानकारी दी। फिजिशियन डॉ. बी.सी.तेंलग ने उच्च रक्तचाप को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल देते हुए बीपी और शुगर नियंत्रण, दवाइयों के नियमित सेवन एवं जीवनशैली सुधार पर जानकारी साझा की।

# इंद्र विहार विकास समिति की नई कार्यकारिणी गठित

**कोटा,** (निसं)। इंद्र विहार विकास समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष पद पर अशोक कुमार लड्ढा, सचिव विपिन सूद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रशेखर रामचंदानी तथा कोषाध्यक्ष रामस्वरूप शर्मा का निर्वाचन निर्विरोध किया गया। कार्यकारिणी गठन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक कुमार लड्ढा ने सर्वप्रथम सभी उपस्थित सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। अपने संबोधन में उन्होंने समिति द्वारा पूर्व में किए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए भविष्य की योजनाओं से भी सदस्यों को अवगत कराया। अध्यक्ष लड्ढा ने बताया कि आने वाले समय में सोसायटी के पुराने हॉल को वातानुकूलित किया जाएगा तथा निर्माणाधीन बैडमिंटन हॉल को शीघ्र पूर्ण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया जाएगा, जिससे बच्चों एवं युवाओं को खेल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकें। उन्होंने अध्यक्ष पद पर चुने जाने के लिए सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि समिति की सभी गतिविधियां सबको साथ लेकर धरातल पर उतारी जाएंगी।

# कोटा में लाईफस्टाईल एक्ज़ीबिशन स्वयंसिद्धा का हुआ समापन

**कोटा,** (निसं)। लघु उद्योग भारती महिला इकाई कोटा की लाईफस्टाईल एक्ज़ीबिशन के अंतिम दिवस का आयोजन झालावाड़ रोड स्थित संस्कृति बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुआ। अध्यक्ष चंदानी पोद्दार ने बताया की प्रदर्शनी में रविवार सुबह से ही जबरदस्त भीड़ रही और कोटावासियों ने जमकर शॉपिंग का लुफ्त उठाया।

उन्होंने बताया की इस एग्ज़ीबिशन को लगाने में पारस ज्वैल्र्स एवं ओरिया ज्वैल्स का विशेष सहयोग रहा। पूर्व अध्यक्ष शशि मित्तल ने बताया कि कोटा एवं कोटा के बाहर कई शहरों से महिलाओं ने अपने द्वारा बनायें जा रहे उत्पादों को प्रदर्शित किया। सचिव निहारिका गुप्ता ने बताया कि सभी स्टाल मालिकों ने अच्छी सेल होने से अत्यधिक खुशी जाहिर की एवं अगले वर्ष भी पुन: आने का आश्वासन दिया। कार्यसंचालक रजनी मित्तल ने बताया कि लघु उद्योग भारती माहिता इकाई की और से सभी एक्ज़िबिटर्स को आवास एवं भोजन वयवस्था प्रदान की गई जिससे उन्हें किसी प्रकार कोई कोई कठिनाई नहीं हुई।

कोटा में लघु उद्योग भारती महिला इकाई की एक्ज़ीबिशन का संस्कृति बैंक्वेट हॉल में समापन हुआ।

कोषाध्यक्ष अलका अग्रवाल ने बताया कि प्रदर्शनी में हर दो घंटे लक्की ड्रा निकाला गया जिसमें 1500 मूल्य का उपहार आरएस मित्तल क्लासेज की और से दिया गया। स्टॉल इंचार्ज शीलू जैन ने बताया की दो दिवसीय एग्ज़ीबिशन में अनुमानित 50 लाख रुपये का व्यवसाय हुआ एवं देर रात तक खरीदारी करने वालों का लगा रहा। उन्होंने बताया स्वयंसिद्ध में कैलोरी ब्रेड, हेल्थी चॉईस पोहा एवं सुकल्प ब्यूटी का भी विशेष सहयोग रहा। पूरी प्रदर्शनी का समन्वय कैलाशा इवेंट्स ने किया।

# सर्दी व कोहरे में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, कोटा मंडल द्वारा विशेष सुरक्षा प्रबंध

**कोटा,** (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल द्वारा सर्दी एवं घने कोहरे के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के मार्गदर्शन में व्यापक और बहु-स्तरीय सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं ताकि प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में भी ट्रेनों का संचालन सुरक्षित और नियंत्रित रूप से किया जा सकें।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोहरे के दौरान दृश्यता कम होने की स्थिति में लोको पायलट को सटीक दिशा-निर्देश उपलब्ध कराने के लिए ट्रेनों में फॉग सेफ्टी डिवाईस का उपयोग किया जा रहा है। यह उपकरण सिग्नल, गति सीमा एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की अग्रिम सूचना देकर ट्रेन की गति को सुरक्षित रखने में सहायक होता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में रेल पटरियों की सतत निगरानी के लिए ट्रैक मैन द्वारा नियमित ट्रैक पेट्रोलिंग कराई जा रही है।

इस दौरान पटरियों में संभावित दरार, टूट-फूट अथवा किसी भी असामान्य स्थिति का समय रहते पता लगाकर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को न्यूनतम किया जा सकें।

इसके अतिरिक्त, कोहरे में चेतावनी संकेतों को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यकता अनुसार पटाखों (डेटोनेटर) एवं अन्य संरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित किया गया है। सिग्नलों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर दृश्यता बढ़ाने के उपाय भी किए गए हैं, ताकि चालक दल को समय रहते संकेत मिल सके और यात्रियों की यात्रा सुरक्षित बनी रहें। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि सुरक्षित रेल संचालन सीधे तौर पर यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा विषय है, इसलिए लोको पायलट एवं रनिंग स्टॉफ को उपयुक्त कार्य वातावरण उपलब्ध कराना भी आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से इंजनों की कैब को हीटर युक्त एवं हवा-रोधक बनाया गया है, ताकि चालक दल पूरी सतर्कता और एकाग्रता के साथ ट्रेन संचालन कर सकें। कोटा मंडल यात्रियों की जान-माल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सर्दी और कोहरे के मौसम में भी सुरक्षित, नियंत्रित एवं भरोसेमंद रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

# राजस्थान प्रदेश कछवाहा/ कुशवाहा क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बने रामहेत कुशवाहा

**कोटा,** (निसं)। अखिल भारतीय कछवाहा/कुशवाहा क्षत्रिय महासभा का अधिवेशन लवकुश छात्रावास में आयोजित किया गया। अधिवेशन में राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर धौलपुर के पूर्व प्रधान रामहेत कुशवाहा एवं महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष हेमलता कुशवाहा भरतपुर, प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज लता कुशवाहा कोटा को नियुक्त किया गया है।

इसके साथ ही प्रदेश मीडिया प्रभारी डीके कुशवाहा, राष्ट्रीय सलाहकार महाराज सिंह कुशवाहा, राजस्थान युवा प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार कुशवाहा, राजस्थान प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह कुशवाहा एवं प्रदेश सचिव रोहित कुशवाहा को नियुक्त किया गया है। अधिवेशन में भामाशाह मथुरालाल कुशवाहा बोरखेड़ा का समाज के द्वारा स्वागत किया गया, लव-कुश छात्रावास कोटा के लिए 2 लाख नगद राशि दी है। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रामहेत कुशवाहा ने पूरे राजस्थान प्रदेश में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति जल्द करने का भरोसा दिया। अधिवेशन में प्रवक्ताओं ने शिक्षा राजनीति व आर्थिक सुधार पर अपने विचार रखे साथ ही कुशवाह समाज के लिये आरक्षण तथा लव-कुश बोर्ड में नियुक्ति को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर, कोटा छात्रावास विकास समिति अध्यक्ष रमेश चंद्र कुशवाहा महामंत्री राम नारायण कुशवाहा सचिव भारत सिंह कुशवाहा कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल कुशवाहा विधिक सवाल सलाहकार चंद्र मोहन कुशवाहा सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों के लोग उपस्थित रहे, अधिवेशन में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार झारखंड सहित देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में कुशवाहा समाज बंधु शमिल हुए।

- **कुशवाह समाज के लिये आरक्षण तथा लव-कुश बोर्ड में नियुक्ति को लेकर चर्चा की**

# जाटव समाज का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह आयोजित

**कोटा,** (निसं)। सर्व जाटव समाज उत्थान समिति, कोटा द्वारा नववर्ष स्नेह मिलन एवं प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर भवन, भदाना योजना, रंगपुर रोड पर गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कोटा उत्तर विधायक शांति धारीवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्व जाटव समाज उत्थान समिति के अध्यक्ष एस.एन.चौधरी ने की।

अतिथि जाटव महासभा कोटा के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह रहे। संचालन समिति के सलाहकार नेमसिंह मौर्य ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान गौतम बुद्ध एवं भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

# जयपुर ने क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता

**कोटा,** (निसं)। सीईएससी राजस्थान की ओर से अन्तर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता के तहत आयोजित यूनिटी प्रीमियर कप-2025 क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब जयपुर कॉर्पोरेट ऑफिस ने अपने नाम कर लिया। जयपुर स्थित ए.आर. क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए फाइनल मैच में जयपुर कॉर्पोरेट ने केईडीएल को 7 विकेट से हराया। जयपुर कॉर्पोरेट ने टॉस जीतकर पहले फिल्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केईडीएल की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 122 रन बनाए।

जवाब में जयपुर कॉर्पोरेट की टीम ने 123 रन बनाकर 7 विकेट से प्रतियोगिता खिताब जीत लिया। इस मैच में आशीष सैनी ने 40 रन की पारी खेली। मैन ऑफ द मैच जयपुर कॉर्पोरेट के जसोदीप्ता सेनगुप्ता को दिया गया। मैन ऑफ द सीरीज़ जयपुर कॉर्पोरेट के आशीष सैनी और विमल कुमार रहे। सैनी ने दो मैच में 101 रन और दो विकेट लिए जबकि विमल कुमार ने 38 रन और तीन विकेट लिए। फाइनल से पहले ए आर क्रिकेट अकेडमी के मैदान में दो सेमीफाइनल मैच खेले गए। पहला मैच बीकानेर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई लिमिटेड (बीकेईएसएल) और कोटा इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (केईडीएल) के मध्य खेला गया। बीकेईएसएल की टीम ने पहले खेलते 18 ओवर में 115 रन बनाए। जवाब में केईडीएल की टीम ने 120 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस प्रकार केईडीएल ने सेमीफाइनल जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। मैन ऑफ द मैच रवि प्रजावत रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट में केईडीएल की टीम उप विजेता रही।

दूसरा सेमीफाईनल सीईएसएसी राजस्थान कॉर्पोरेट व बीईएसएल के बीच खेला गया। सीईएसएसी राजस्थान कॉर्पोरेट ने टॉस जीतकर पहले फिल्डिंग करने का फैसला किया। पहले खेलते हुए बीईएसएल ने निर्धारित 20 ओवर में 120 रन बनाए। जवाब में सीईएसएसी राजस्थान कॉर्पोरेट की टीम ने 122 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीत लिया और फाइनल में प्रवेश किया। मैन ऑफ द मैच आशीष सैनी रहे।

फाईनल मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सीईएससी राजस्थान के सीईओ श्रीप्रकाश जोशी व सीईएससी राजस्थान के वाइस प्रेसीडेंट (एचआर) अरूणाभा साहा ने विजेता टीम सीईएसएसी राजस्थान कॉर्पोरेट को विजेता ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। केईडीएल की टीम को रनर अप ट्रॉफी प्रदान की गई।

इस मौक पर केईडीएल के सीओओ शांतनु भट्टाचार्य व मनीष अरोडा, बीकेईएसएल के सीओओ हरीश चंद्र सिंह व बीईएसएल के सीओओ आकाश सक्सेना भी मौजूद थे।

स्मिथ ने कहा कि दोनों के बीच किसी तरह का कोई मनमुटाव नहीं है, और यह केवल गलतफहमी का मामला था। प्रसारण के दौरान दिखाए गए ट्रेनिंग फुटेज में भी दोनों खिलाड़ियों को आराम से बातचीत करते हुए देखा गया।

**ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बाबर आजम को लेकर बोलते हुए।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

## वैभव सूर्यवंशी

जूनियर स्टार वैभव सूर्यवंशी ने आखिरकार बांग्लादेश के खिलाफ फॉर्म पकड़ ली ही। पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ सस्ते में आउट हुए वैभव ने बुलावायो में तलुनात्मक रूप से अपनी शैली के विपरीत धीमी और जिम्मेदारी से बैटिंग करते हुए 67 गेंदों पर 6 चौकों और 3 छक्कों से 72 रन बनाए। इसी के साथ ही, वैभव ने टूर्नामेंट के करीब 37 साल के इतिहास में वह कारनामा कर दिखाया, जो पहले कोई नहीं कर सका। इस अर्द्धशतकीय पारी के साथ भी वैभव अंडर-19 विश्व कप में सबसे कम उम्र में अर्द्धशतक जडने वाले बल्लेबाज बन गए।

**क्या आप जानते हैं ?...** पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इंग्लैंड के खिलाफ 2003 वनडे विश्व कप में 161.3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वो गेंद फेंकी थी।

## पार्थ जिंदल ने मुंबई हाफ मैराथन सफलतापूर्वक पूरी की

मुंबई, 18 जनवरी। पार्थ जिंदल ने रविवार को टाटा मुंबई मैराथन में हाफ मैराथन (21 किमी) में हिस्सा लिया और 1 घंटे 56 मिनट में इसे पूरा किया। पार्थ जिंदल - जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के फाउंडर, एक उत्साही धावक और खेलों के शौकीन हैं। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के फाउंडर के तौर पर, पार्थ भारत में खेलों की कई विधाओं को बढ़ावा देने वाले सबसे बडे कॉर्पोरेट प्रमोटर्स में से एक हैं। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के कई कर्मचारियों के साथ, वह पिछले कई सालों से मुंबई मैराथन में नियमित रूप से हिस्सा लेते रहे हैं। जैसे-जैसे कॉर्पोरेट लीडर्स पार्टिसिपेटरी स्पोर्ट्स इकोसिस्टम से जुड़ रहे हैं, टीएमएम 2026 में जेएसडब्ल्यू की मौजूदगी फिटनेस के प्रति उसकी लगातार प्रतिबद्धता और समुदाय और खेल की सामूहिक भावना के लिए उसके निरंतर समर्थन को दिखाती है।

## इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे को आठ विकेट से पीटा

हरारे, 18 जनवरी (वार्ता) थॉमस रेव (नाबाद 86) और बेन माएस (नाबाद 77) की शानदार पारियों तथा उनके बीच 167 रन की जबरदस्त अविजित साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे को अंडर -19 विश्व कप के ग्रुप सी मुकाबले में रविवार को 132 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से पीट दिया। जिम्बाब्वे ने कप्तान सिम्बाराशे मुडजेंगरेरे (नाबाद 45 ), ध्रुव पटेल (36), कियान ब्लिग्नॉट (33) और टार्टेंडा चिमुगोरो (30) की जुझारू पारियों के दम पर पहले खेलते हुए नौ विकेट पर 208 रन का स्कोर बनाया जबकि इंग्लैंड ने 28 ओवर में दो विकेट पर 209 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया और ग्रुप सी में शीर्ष पर पहुंच गया। थॉमस रेव ने 66 गेंदों पर नाबाद 86 रन में सात चौके और चार छक्के लगाए जबकि माएस ने 72 गेंदों पर नाबाद 77 रन में तीन चौके और चार छक्के लगाए। थॉमस रेव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 30 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। नथानिएल हलाबंगना (शून्य) और कुपाकवाशे मुरादजी आठ रन बनाकर आउट हुये। इंग्लैंड के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे के बल्लेबाज खुल नहीं खेल सके।

## अथर्व तायडे का शतक, विदर्भ के 317/8

बेंगलुरु 18 जनवरी (वार्ता) अथर्व तायडे (128) की शतकीय और यश राठौड (54) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत रविवार को विदर्भ ने विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए सौराष्ट्र के खिलाफ आठ विकेट पर 317 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी विदर्भ के लिए अथर्व तायडे और अमन मोखाडे की सलामी जोडी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 88 रन जोडे। 18वें ओवर में अंकुर पंवर ने अमन मोखाडे (33) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोडा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये यश राठौड ने अथर्व तायडे के साथ मोर्चा संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 133 रनों की साझेदारी हुई। 37वें ओवर में अंकुर पंवर ने अथर्व तायडे को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अथर्व तायडे ने 118 गेंदों में 15 चौके और तीन छक्के उडाते हुए 128 रनों की पारी खेली। 40वें ओवर में चिराग जानी ने यश राठौड (54) को आउट किया। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के लगाये।

## सबालेंका ने पहले राउंड का टेस्ट पास किया

मेलबर्न, 18 जनवरी (वार्ता) वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका का लगातार चौथा ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में पहुंचने का सफर रविवार को शानदार तरीके से शुरू हुआ, उन्होंने टियांत्सोआ राकोटोंमांगा राजाओनाह को हराया, जिन्होंने पहले सेट में सबालेंका को कडी टक्कर दी। वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी ने निश्चित रूप से अपने करियर के सबसे ऊंचे रैंक वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपना सब कुछ लगा दिया, लेकिन दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन का अनुभव रॉड लेवर एरिना में 6-4, 6-1 की जीत में काम आया और रात का सेशन शुरू हुआ। सबालेंका ने पहले सेट जीतने के मोमेंटम और आत्मविश्वास का पूरा फायदा उठाया। पहले सेट के आखिर में राकोटोंमांगा राजाओनाह की सर्विस तोडकर सबालेंका ने 1-0 की बढत बना ली। जल्दी ही, दूसरे सेट में यह बढत 3-0 हो गई। यह साफ था कि सबालेंका के शॉट के पीछे की ताकत राकोटोंमांगा राजाओनाह के लिए बहुत ज़्यादा थी, जो अक्सर रिटर्न नेट में मार देती थीं या गेंद कोर्ट से बाहर चली जाती थी। दूसरे सेट में, सबालेंका की कोर्ट पर राकोटोंमांगा राजाओनाह की मूवमेंट को कंट्रोल करने की क्षमता ने कुछ आसान विनर्स बनाए - उन्होंने उस शाम 23 विनर्स मारे - या राकोटोंमांगा राजाओनाह से गलतियां करवाईं। तुलना के लिए, सबालेंका की पहली सर्विस की औसत गति 167 किलोमीटर प्रति घंटा थी, जबकि राकोटोंमांगा राजाओनाह की 149 किलोमीटर प्रति घंटा थी। रिटर्न पर, सबालेंका ने अपने प्रतिद्वंद्वी की पहली और दूसरी सर्विस पर क्रमश: 42 और 64 अंक जीते। इसके बाद सबालेंका ने आखिरी चार गेम में से तीन जीतकर एक घंटे और 16 मिनट का मैच खत्म किया।

# विराट शतक के बावजूद भारत वनडे सीरीज में हारा

इंदौर, 18 जनवरी (वार्ता) डैरिल मिचेल (137) और ग्लेन फिलिप्स (106) की शानदार शतकीय पारियों के बाद क्रिस्टियन क्लार्क और जैकरी फॉक्स ने तीन-तीन विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत से वनडे सीरीज जीती।

भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आखिरी तक न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर प्रहार करते हुए 124 रनों की शतकीय पारी खेली। इसके अलावा नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा की जूझारू पारियों के बावजूद न्यूजीलैंड ने रविवार को तीसरे और आखिरी एकदिवसीय मुकाबले में भारत को 41 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ उसने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

338 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 71 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिये। रोहित शर्मा (11), कप्तान शुभमन गिल (23), श्रेयस अय्यर (तीन) और केएल राहुल (एक) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय विराट कोहली ने मोर्चा संभाला और नीतीश कुमार रेड्डी के साथ पांचवें विकेट के लिए 88 रन जोडे। 28वें ओवर में क्रिस्टियन क्लार्क ने नीतीश कुमार रेड्डी को आउट किया। नीतीश कुमार रेड्डी ने 57 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 53 रनों की पारी खेली। रवींद्र जडेजा छठें विकेट के रूप में 12 रन बनाकर आउट हुये। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने हर्षित राणा ने विराट कोहली के साथ सातवें विकेट के लिए 99 रन जोडकर भारत को जीत की दहलीज तक ले गये। इसी दौरान 44वें ओवर में जैकरी फॉक्स ने पहले हर्षित राणा और फिर मोहम्मद सिराज को आउटकर भारत को एक बार फिर से संकट में डाल दिया। हर्षित राणा ने 43 गेंदों में चार चौके और चार छक्के उडाते हुए 53 रन बनाये। 46वें ओवर में क्रिस्टियन क्लार्क ने विराट कोहली को आउटकर भारत की मैच जीतने की उम्मीद को तगडा झटका दिया। विराट कोहली ने 108 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 124 रन बनाये। 46वें ओवर में कुलदीप यादव (पांच) को फिलिप्स ने रनआउटकर भारतीय पारी का 296 के स्कोर पर अंत कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए क्रिस्टियन क्लार्क और जैकरी फॉक्स ने तीन-तीन विकेट लिये। जेडेन लेनॉक्स को दो विकेट मिले। काइल जेमीसन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मिचेल ने इस सीरीज में अपनी शानदार फार्म बरकरार रखते हुए 131 गेंदों पर 137 रन में 15 चौके और तीन छक्के लगाये। जबकि फिलिप्स ने 88 गेंदों पर 106 रन में नौ चौके और तीन छक्के मारे। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 219 रनों की साझेदारी भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए न्यूजीलैंड की दूसरी सबसे बडी साझेदारी है।

आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने महज पांच रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये। हेनरी निकल्स (शून्य), डेवन कॉन्वे (पांच) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद डैरिल मिचेल ने विल यंग के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। 13वें ओवर में हर्षित राणा ने विल यंग (30) को आउटकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ग्लेन फिलिप्स ने डैरिल मिचेल के साथ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 219 रनों की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक पूरे किये। 44वें ओवर में अर्शदीप ने ग्लेन फिलिप्स को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। ग्लेन फिलिप्स ने 88 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के उडाते हुए 106 रनों की पारी खेली। 45वें ओवर में न्यूजीलैंड का पांचवां विकेट डैरिल मिचेल के रूप में गिरा। उन्हें मोहम्मद सिराज ने कुलदीप यादव के हाथों कैच आउट कराया। भारत ने आखिरी ओवरों में शानदार वापसी करते हुए न्यूजीलैंड के विकेट निकाले और उसे 337 स्कोर पर रोक दिया। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने तीन-तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

## स्मृति मंधाना ने हरमनप्रीत को पीछे छोड़ा

### डब्ल्यूपीएल में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली भारतीय बनीं

मुंबई,18 जनवरी । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की। मंधाना ने 61 गेंदों पर 96 रन बनाए, लेकिन वह शतक लगाने से चूक गईं। इसके बावजूद उन्होंने बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज की और वह महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बल्लेबाज बन गईं।

मंधाना ने अपनी पारी में 13 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके साथ ही वह डब्ल्यूपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाली भारतीय बल्लेबाज बनीं। मंधाना ने इस मामले में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा। हरमनप्रीत ने 2024 सीजन में गुजरात जाएंट्स के खिलाफ 48 गेंदों पर नाबाद 95 रन बनाए थे जो टूर्नामेंट में किसी खिलाड़ी का सर्वोच्च व्यक्तिग स्कोर था। हालांकि, अब यह रिकॉर्ड मंधाना के नाम दर्ज हो गया है। डब्ल्यूपीएल इतिहास में कोई खिलाड़ी अबतक शतक नहीं लगा सका है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा निजी स्कोर का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के नाम है। आरसीबी के लिए खेलते हुए डिवाइन ने 2023 में गुजरात जाएंट्स के खिलाफ 36 गेंदों पर 99 रन बनाए थे।

## टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप बदलने की रिक्वेस्ट पर आयरलैंड ने बांग्लादेश को दिया झटका

नई दिल्ली,18 जनवरी । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को आईसीसी से कहा कि भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने के लिये टी20 विश्व कप में उसे ग्रुप बी में आयरलैंड की जगह शामिल कर दिया जाये। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है और उसे लीग मैच कोलकाता तथा मुंबई में खेलने हैं। आयरलैंड ग्रुप बी में श्रीलंका, आस्ट्रेलिया, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है जिसे अपने मैच कोलंबो और पल्लेकेले में खेलने हैं. हालांकि, क्रिकेट आयरलैंड ने कहा कि उन्हें पक्की गारंटी मिली है कि उनके वर्ल्ड कप शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा. क्रिकेट आयरलैंड ने यह भी कहा कि वे अपने सभी वर्ल्ड कप मैच श्रीलंका में खेलेंगे। क्रिकेट आयरलैंड के एक अधिकारी ने क्रिकबज को एक बयान में बताया, "हमें पक्की गारंटी मिली है कि हम ओरिजिनल शेड्यूल से नहीं हटेंगे, हम निश्चित रूप से ग्रुप स्टेज श्रीलंका में ही खेलेंगे।

आईसीसी की दो सदस्यीय टीम भारत में सुरक्षा इंतजामात को लेकर बीसीबी को आश्वस्त करने के लिये ढाका में थी। टीम में इवेंट और कारपोरेट कम्युनिकेशंस महाप्रबंधक गौरव सक्सेना और इंटीग्रिटी ईकाई के महाप्रबंधक एंड्रयू एफग्रेव शामिल हैं. बीसीबी ने प्रतिनिधियों से मिलने के बाद एक बयान में कहा ,"बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर आईसीसी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। एफग्रेव बैठक में मौजूद थे जबकि सक्सेना बांग्लादेश का वीजा समय पर नहीं मिल पाने के कारण आनलाइन बैठक में शामिल हुए. बीसीबी ने कहा ," बातचीत के दौरान बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से उसके मैच श्रीलंका में कराने का अनुरोध दोहराया, बोर्ड ने बांग्लादेश सरकार की राय और बांग्लादेशी टीम, मीडिया, प्रशंसकों और अन्य हितधारकों की सुरक्षा को लेकर चिंता से भी अवगत कराया। बीसीबी की ओर से अध्यक्ष मोहम्मद अमीनुल इस्लाम, उपाध्यक्ष मोहम्मद शकावत हुसैन और फारूक अहमद, क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष और निदेशक नजमुल अबेदीन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दीन चौधरी मौजूद थे. समझा जाता है कि आईसीसी बांग्लादेश की मांग को स्वीकार नहीं करेगी।

## स्कूल नेशनल अंडर-19 वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने ओवरऑल टीम चैंपियनशिप में उपविजेता टीम की ट्रॉफी जीती

जयपुर , 18 जनवरी। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वावधान में दिनांक 14 से 18 जनवरी 2026 तक इम्फाल, मणिपुर में संपन्न हुई, 69वी स्कूल नेशनल अंडर-19 (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक जीत इतिहास रचा। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि दल प्रभारी श्रीराम के नेतृत्व में बालिका वर्ग में 3 स्वर्ण व 2 रजत पदको के साथ प्रथम स्थान की ट्रॉफी तथा बालक वर्ग में 2 स्वर्ण, 2 रजत व 3 कांस्य पदको के साथ दुसरे स्थान की ट्रॉफी जीत कर इतिहास रचा तथा इसके साथ ही ममता वर्मा, सचिव राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि 5 स्वर्ण, 4 रजत व 3 कांस्य कुल 12 पदको के साथ ओवरआल टीम चैंपियनशिप में उपविजेता की ट्रॉफी जीत कर इतिहास रच राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन किया।

पदक विजेता खिलाडियों के नाम इस प्रकार है :

**स्वर्ण पदक विजेता:-** 52 किलो भारवर्ग में कर्मवीर, 80 किलो भारवर्ग में कार्तिक यादव, 52 किलो भारवर्ग में कुसुम सुथार, 65 किलो भार वर्ग में दिव्यांशी व 75 किलो भार वर्ग में कनक कँवर

**रजत पदक विजेता:-** 85 किलो भारवर्ग में केशव टेलर, 90 किलो भार वर्ग में नितेश चौधरी, 56 किलो भार वर्ग में वैशाली, 60 किलो भार वर्ग में सुर्याशी

कांस्य पदक विजेता:- 48 किलो भारवर्ग में त्रिलोक चंद, 65 किलो भारवर्ग में विनोद कुमार, 56 किलो भार वर्ग में रुद्र शर्मा।

## सोनमेज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में एलेक्जेंड्रोवा को हराया

मेलबर्न,18 जनवरी। क्वालीफायर ज़ेनेप सोनमेज ने खेल भावना, हॉट शॉट्स और आखिरकार तुर्क़ी के इतिहास का एक हिस्सा पेश किया, जब वह तीसरे सेट में 3-0 से पीछे होने के बाद नंबर 11 सीड एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-5, 4-6, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में जीत हासिल की। 23 साल की सोनमेज ने अपने करियर की दूसरी टॉप 20 जीत हासिल की (पिछले साल बीजिंग में क्लारा टौसन को हराने के बाद), और ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में मैच जीतने वाली पहली तुर्क़ी महिला बनीं। पिछले साल, वह कागला बुयुकाकके के बाद यहां मुख्य ड्रॉ में प्रतिस्पर्धा करने वाली दूसरी तुर्क़ी महिला बनीं, जो 2017 में अपने एकमात्र मुख्य-ड्रॉ उपस्थिति में पहले राउंड में हार गई थीं। 2 घंटे, 37 मिनट का यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। सोनमेज़ ने पहला सेट 5-2 से पीछे होने के बाद जीता, एक सेट प्वाइंट बचाया, और लगातार सात गेम जीते; वह दूसरा सेट 3-1 से आगे होने के बाद हार गईं क्योंकि एलेक्जेंड्रोवा ने अगले नौ में से आठ गेम जीते; लेकिन निर्णायक सेट में 3-0 से पीछे होने के बाद, सोनमेज ने फिर से लय पकडी और आखिरी सात में से छह गेम जीते।

## पुरुष 70 वर्ष आयु वर्ग में दिलीप शिवपुरी और 75 में राजेंद्र गोयल एकल फाइनल में

जयपुर, 18 जनवरी। ओ.एन. दीक्षित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स एमटी-400 टूर्नामेंट का उद्घाटन श्री अवधेश कुमार, प्रिंसिपल डायरेक्टर, इन्वेस्टीगेशन आयकर तथा राष्ट्रीय टेनिस खिलाडी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। टूर्नामेंट के विभिन्न आयु वर्गों में खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। पुरुष 70 वर्ष आयु वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में दिलीप शिवपुरी ने राजेंद्र सिंह को 2-6, 6-4 (10-8) से तथा वी एस सिंह नेगी ने जगत सिंह राठौड को 6-1, 6-4 जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष 55 वर्ष आयु वर्ग (प्री-क्वार्टर फाइनल) के मुकाबलों में टिकम सिंह पंवार ने जयप्रकाश निषाद को 6-0, 1-6 (10-5) से हराया। वहीं आशुतोष अविनाश पेडणेकर ने भरत सिंह को 6-4, 6-4 से, श्रीनिवास रेड्डी गुन्नाला ने योगेश कोहली को 6-4, 6-2 से तथा बाल किशन भाटिया ने आनंद मूर्ति को 6-3, 6-0 से पराजित किया। पुरुष 65 वर्ष आयु वर्ग (प्री-क्वार्टर फाइनल) में दिलीप सिंह नोंगमैथेम ने पवन जैन को 4-6, 6-1 (10-6) से हराया। ललित शर्मा ने नरेश रजोरा को 6-1, 6-0 से शिकस्त दी। बोयान गोरेनक (स्लोवेनिया) ने सुरेंद्र पाल सिंह को 6-0, 6-1 से पराजित किया, जबकि अजीत भारद्वाज ने संदीप निजहावन को 7-5, 6-0 से हराया। पुरुष 75 वर्ष आयु वर्ग (सेमीफाइनल) मुकाबलों में धवल पटेल ने अशोक जिंदल को 2-6, 6-3 (10-4) से तथा राजेंद्र गोयल ने मुकेश बजाज को 6-2, 6-3 से पराजित किया। टूर्नामेंट में देश के विभिन्न राज्यों से आए अनुभवी खिलाड़ियों की भागीदारी से मुकाबले बेहद रोमांचक बनते जा रहे हैं और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

## राज सिंह डूंगरपुर अंडर 14: राजस्थान के भावेश बघेल की शानदार गेंदबाजी

### राजस्थान सीनियर वीमेन टीम घोषित सुमित्रा जाट को सौंपी कप्तानी

जयपुर 18 जनवरी । इंदौर में खेली जा रही राज सिंह डूंगरपुर अंडर 14 ट्रॉफी के आज से शुरू हुए राजस्थान - उत्तर प्रदेश मैच पहले दिन राजस्थान के भावेश बघेल चमके :-उत्तर प्रदेश पहली पारी 425 / 7 घोषित। टीम के लिए अर्णव 176 , सौरव 74 व हर्ष 56 रन, राजस्थान गेंदबाज भावेश बघेल 92 / 4 , अनमोल शर्मा , गौरव पुनिया , लवमीत गुर्जर 1 - 1 प्राप्त कियेराजस्थान पहली पारी 73 / 2 विकेट। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अनमोल शर्मा नाबाद 43 व आदित्य एस पि यादव नाबाद 24 रनो की सहायता से 2 विकेट के नुकसान पर 73 रन बना लिए थे।

**राजस्थान सीनियर वीमेन टीम घोषित:** 6 फरवरी, 2026 से वडोदरा में खेले जाने वाले सीनियर महिला एक दिवसीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मैचों के लिए सीनियर महिला टीम का चयन:- ज्योति चौधरी, सी.जे. भाटी, आयुषी गर्ग, सुमित्रा जाट (कप्तान), तनुजा वैष्णव, संगीत कुमावत, सुमन मीना (उप कप्तान), बबीता मीना, कौशल्या चौधरी, डिंपल कंवर, रिंकू टांक, अक्षिता माहेश्वरी, सिद्धि शर्मा, सोनल कलाल, शानू सैन, प्रियंका चौधरी।

# क्रीड़ा भारती की खेल कबड्डी खेल स्पर्धा का शुभारम्भ

जयपुर ,18 जनवरी । क्रीड़ा भारती जयपुर प्रांत के खेल कबड्डी खेल स्पर्धा का उद्घाटन कार्यक्रम उ.मा आदर्श विद्या मंदिर राजा पार्क जयपुर के सभागार में रविवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए क्रीड़ा भारती के क्षेत्र संयोजक मेघसिंह चौहान ने बताया कि कबड्डी भारत का प्राचीन खेल है। 1936 में बर्लिन ओलम्पिक में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी को प्रदर्शन मैच के रूप में खेला गया था तथा टीम को पदक भी दिया गया था। भारत सरकार 2036 में ओलम्पिक खेल भारत में आयोजित करवाने का प्रयास कर रही है।कबड्डी के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण करने एवं 2036 के ओलम्पिक खेलों में कबड्डी सम्मिलित हो इसके लिए क्रीड़ा भारती, अखिल भारतीय स्तर पर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में खेल कबड्डी खेल स्पर्धा आयोजित की जा रही है। जयपुर प्रांत में यह स्पर्धा 18 जनवरी से 28 फरवरी तक आयोजित होंगी। स्पर्धा में महिला व पुरुषों की चार आयु वर्ग 10 से 14 वर्ष, 14 से 19 वर्ष, 19 से 35 वर्ष एवं 35 वर्ष से ऊपर की टीमें भाग लेंगी। केवल जयपुर महानगर में ही 17 स्थानों पर 500 से अधिक टीमें खेलेंगी। अतिथियों ने जयपुर महानगर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाली कबड्डी स्पर्धाओं के पोस्टर का विमोचन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी ओ पी नैयर ने बताया कि कबड्डी में दिल, दिमाग, दम और दौड़ एवं लचक रूपी 4 एवं 1 का मूल मंत्र है। ओ पी नैयर स्वयं राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने नशे से दूर रहने एवं साधारण आहार पर ध्यान देने का आव्हान किया। उन्होंने यह भी बताया कि गोपाल सैनी , दारा सिंह और मेरे जैसे अनेक खिलाड़ी साधारण परिवारों से ही निकले हैं।

उन्होंने स्वयं भी इस स्पर्धा में खेलने की इच्छा व्यक्त की। क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सैनी ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि कठिन परिश्रम करके ही मजबूत टीम बनाई जा सकती है। खिलाड़ियों को अधिक सुविधाएं नहीं मांगनी चाहिए बल्कि कठिन परिश्रम करना चाहिए। उद्घाटन कार्यक्रम में महिला व पुरुषों की 19 टीमें उपस्थित थी। खोले के हनुमान जी मंदिर महंत के पुत्र अंशुमान चतुर्वेदी, प्रांतमंत्री कैलाश शर्मा, सांगानेर महानगर अध्यक्ष मोहित कुमार, जयपुर महानगर अध्यक्ष राजनारायण शर्मा, उपाध्यक्ष रजनी शर्मा, अन्तराष्ट्रीय खिलाड़ी रामचंद्र कसाना, राकेश शर्मा, सत्यनारायण, असफाक खान, रामबाबु, कोच मूलचंद सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# चंबल पर 2.3 किमी एक्वाडक्ट का निर्माण जून 2028 तक पूरा होगा- भजनलाल

## राम जलसेतु लिंक के प्रथम चरण में बन रहे एक्वाडक्ट पर 2,330 करोड़ रूपए खर्च होंगे

जयपुर, 18 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत् प्रयासों से प्रदेश की महत्वाकांक्षी राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) मिशन मोड पर आगे बढ़ रही है। जल सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाली परियोजना के तहत चम्बल नदी पर 2.3 किलोमीटर लम्बाई में एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। यह जून, 2028 तक बनकर तैयार हो जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा के मार्गदर्शन में परियोजना से संबंधित कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। इसके प्रथम चरण के पैकेज-2 के अंतर्गत, 2 हजार 330 करोड़ रुपये की लागत से एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है।

यह चम्बल एक्वाडक्ट एक छोर में कोटा जिले की दीगोद तहसील के पीपलदा समेल गांव और दूसरे छोर में बूंदी जिले की इन्द्रगढ़ तहसील के गोहाटा गांव से जुड़ेगा। इसके माध्यम से कालीसिंध पर निर्मित नवनेरा बैराज से पानी पम्प हाउस से लिफ्ट कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद मैज बैराज से पम्प हाउस व फीडर के जरिए गलवा बांध तक और वहां से बीसलपुर और ईसरदा बांध में पहुंचाया जाएगा। इस एक्वाडक्ट के बनने से आमजन को आवागमन के लिए अतिरिक्त मार्ग भी उपलब्ध होगा।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

2280 मीटर लम्बे एक्वाडक्ट की आंतरिक चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर प्रस्तावित है। मई, 2025 में कार्य शुभारंभ के बाद से ही तेजी से कार्य किया जा रहा है।

निर्माण स्थल पर कैंप एवं बैचिंग प्लांट का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। एक्वाडक्ट हेतु प्रस्तावित 15 टेस्ट पाइल में से 8 टेस्ट पाइल का कार्य पूर्ण हो चुका है। कुल 5060 वर्किंग पाइल प्रस्तावित हैं, जिनमें से लगभग 860 पाइल का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। प्रतिदिन 15-20 पाइल का कार्य 12 रिग मशीनों की सहायता से किया जा रहा है। औसतन 500 क्यूबिक मीटर कंक्रीट कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। साइट पर लगातार शिफ्टों में कार्य जारी है।

**■ इस परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के 17 जिलों की लगभग 3 करोड़ 25 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही सिंचाई व उद्योग के लिए भी जल उपलब्ध होगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ईआरसीपी को वृहद स्वरूप देते हुए राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) (लगभग 90 हजार करोड़ रूपए) तैयार की गई है। परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के 17 जिलों की लगभग 3 करोड़ 25 लाख आबादी को पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही, सिंचाई एवं उद्योगों के लिए भी जल उपलब्ध होगा। इससे प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

# केवाईसी के नाम पर क्रेडिट कार्ड का क्लोन बना लाखों की ठगी

जयपुर, 18 जनवरी। महेश नगर थाना इलाके में क्रेडिट कार्ड का क्लोन बनाकर केवाईसी के नाम से लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। थानाधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि थाना इलाके में स्थित अवधपुरी निवासी सुमन लाल महावर (41) ने मामला दर्ज कराया है कि उसके पास एसबीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड है। क्रेडिट कार्ड की केवाईसी करवाने के नाम पर उनके पास लगातार कॉल आ रहे थे। कॉल करने वाले ने खुद को एसबीआई बैंक का प्रतिनिधी बताया और केवाईसी के लिए उसके मोबाइल पर लिंक भी भेजा। अज्ञात ठग ने बातों में उलझा कर क्रेडिट कार्ड की सारी जानकारी जुटा ली और क्रेडिट कार्ड का क्लोन तैयार कर, दो लाख 60 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित को मामले की जानकारी उसके मोबाइल फोन पर आए मैसेज से चली, जिसके बाद पीड़ित ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ धोखाधड़ी कर उसके कार्ड से पैसे निकालने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया।

# सोलह लोगों को कुचलने वाला ऑडी चालक गिरफ्तार

## पुलिस ने रविवार को रिंग रोड पर चलाये गये सर्च ऑपरेशन में उसे पकड़ा

जयपुर, 18 जनवरी। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 जनवरी को मानसरोवर के खरबास सर्किल पर ऑडी कार से 16 लोगों को रौंदने वाले मुख्य आरोपी चालक दिनेश रणवा (32) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने रविवार को रिंग रोड पर चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान उसे दबोच लिया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि आरोपी दिनेश रणवा निवासी दूधवाखारा जिला चूरू हादसे के बाद से फरार था। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के अगले दिन वह गोनेर से पैदल ही भाग निकला। कैमरों से बचने के लिए रिंग रोड के किनारे-किनारे पैदल चलता रहा। करीब 7-8 घंटे पैदल चलने के बाद जंगल में झाड़ियों के बीच थक कर रुक गया।

**■ आरोपी ऑडी चालक ट्रक ड्राइवर से लिफ्ट लेकर करनाल व हरिद्वार चला गया था। पैसे खत्म होने के बाद वापस लौटा था और रिंग रोड क्षेत्र में घूम रहा था।**

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि चोटिल होने और लगातार भागने से वह बेहद थक गया था। आस पास भेड़ चराने वालों से मांग कर खाना खाया और रात उनके पास ही सो गया। इसके बाद एक ट्रक चालक से लिफ्ट लेकर पहले करनाल (हरियाणा) और फिर हरिद्वार पहुंचा। पैसे खत्म होने पर वह वापस राजस्थान लौटा और जयपुर के पास रिंग रोड क्षेत्र में घूमता रहा। पुलिस जांच में सामने आया कि दिनेश हाईवे किनारे होटल-ढाबों और ट्रक रुकने की जगहों पर फरारी काट रहा था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने करीब 100 किलोमीटर क्षेत्र में लगे 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। रिंग रोड, स्लिप रोड, ढाबों और ट्रक स्टॉप्स पर सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। आरोपी के सोलर प्लांट साइट्स पर भी दबिश दी गई। आखिरकार रविवार को रिंग रोड पर वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गौरतलब है कि 9 जनवरी को दिनेश रणवा ने तेज रफ्तार ऑडी कार को मानसरोवर के खरबास सर्किल पर सड़क किनारे लगे स्टॉलों में घुसा दिया था। हादसे में 16 लोग चपेट में आ गए, जिनमें एक युवक की मौत हो गई थी।

# डिफेन्स सैक्टर को हम आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं- राजनाथ सिंह

## रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक डिफेन्स एक्सपोर्ट 50 हजार करोड़ रूपए का हो जाए

नागपुर, 18 जनवरी। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिना नाम लिए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और चीन पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारा पड़ोसी जरा सिरफिरा है, कब क्या हरकत कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता है। न जाने कब हमें हथियारों की जरूरत पड़ जाए। इसलिए डिफेंस सेक्टर में हमें आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा। रक्षा मंत्री ने नागपुर में यह बात कही। वे आज इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव कंपनी के दौरे पर पहुंचे थे।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डिफेंस सेक्टर को हम लोग आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं, प्रधानमंत्री बार-बार इसका आग्रह कर रहे हैं। एक समय था कि पूरा का पूरा डिफेंस सेक्टर पब्लिक सेक्टर तक सीमित था, प्राइवेट सेक्टर के बारे में तो कोई सोच भी नहीं सकता था। लेकिन प्राइवेट सेक्टर की पोटेंशियल पर हमको पूरा भरोसा था, विश्वास था, हर जगह फोक्स्ड डेवलपमेंट की धारा बह रही है, शिक्षक से लेकर तकनीक तक, हर क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर अहम भूमिका निभा रहा है।

**■ रक्षा मंत्री ने नागपुर में कहा, हमारा पड़ोसी जरा सिरफिरा है, कब हरकत कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता, न जाने कब हमें हथियारों की जरूरत पड़ जाए।**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि, प्राइवेट सेक्टर की भूमिका आने वाले समय में और तेजी से बढ़ने चाहिए और भारत में बढ़ रही है। हमारी सरकार का ध्यान आने वाले समय में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका पर है। यह कम से कम 50 प्रतिशत तो होनी भी चाहिए। हमने निश्चय किया है कि हमारे प्लेटफार्म सिस्टम, सब सिस्टम धीरे-धीरे स्वदेशी बनाएंगे, पिछले 10 वर्ष में डिफेंस सेक्टर में, आत्मनिर्भरता की दिशा में, जो मेहनत की है, जो प्रयास किया है, उसका परिणाम यह है कि हमारा डोमेस्टिक डिफेंस प्रोडक्शन 2014 में 46000 करोड़ के आसपास था, आज वह डेढ़ लाख करोड़ से अधिक पहुंच गया है। इतनी जल्दी, प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी का परिणाम है कि भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट, जो 10 वर्ष पहले सिर्फ 1000 करोड़ के आसपास था, वह बढ़ कर लगभग 25000 करोड़ से ज्यादा हो गया है, हमने लक्ष्य रखा है कि 2030 तक यह 50000 करोड़ तक हो जाए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य है कि भारत हथियारों के उत्पादन का ग्लोबल हब बने। उन्होंने कहा 88 घंटे तक ऑपरेशन चला, लेकिन वो 88 घंटे शब्दों में बयां नहीं किये जा सकते, इसको शब्दों में बताना मुश्किल है, ऐसे ऑपरेशन में हर मिनट हर फैसले का महत्व होता है, जब ऑपरेशन इतना इंटेंस होता है, तो उसकी तैयारी भी इतनी व्यापक उतनी मजबूत होनी चाहिए।

# मकान मालिक के 52 लाख चुराने वाला नौकर गिरफ्तार

जयपुर, 18 जनवरी। बजाज नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मकान मालिक के घर से घरेलू नौकर द्वारा 52.50 लाख रुपए नकद चोरी करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी नौकर को बिहार से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की राशि बरामद कर ली है। भारी रकम होने के कारण नकदी को जयपुर लाने के लिए हथियारबंद जवानों की विशेष टीम भेजी गई।

एसीपी विनोद शर्मा ने बताया कि देवनगर निवासी निखिल अग्रवाल ने 12 जनवरी को बजाज नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वे परिवार सहित 1 जनवरी को बाहर गए थे, इसी दौरान उनके घर से नकदी चोरी हो गई। उन्होंने अपने घरेलू नौकर पर संदेह जताया था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसमें एक व्यक्ति दीवार फांदकर घर में घुसता नजर आया। परिवादी ने फुटेज के आधार पर उसकी पहचान घरेलू नौकर मंटू उर्फ रामू उर्फ मनोज ठाकुर के रूप में की। तकनीकी विश्लेषण से आरोपी की लोकेशन बिहार में मिलने पर पुलिस टीम को बांका जिले के देवंडीह गांव भेजा गया, जहां बिहार पुलिस की मदद से चालीस वर्षीय मन्टू उर्फ रामू उर्फ मनोज ठाकुर निवासी बेलहर जिला बांका (बिहार ) को हिरासत में लिया गया।

**■ पुलिस ने आरोपी नौकर को बिहार से गिरफ्तार किया तथा चोरी की रकम बरामद की।**

एसीपी शर्मा ने बताया कि परिवादी ने रिपोर्ट में करीब 22 लाख रुपए चोरी होने की जानकारी दी थी, लेकिन पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने मकान मालिक के विदेश जाने के दौरान ताले तोड़कर 52.50 लाख रुपए चुराए थे। आरोपी को बांका जिले की अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लिया गया। रकम अधिक होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से एक अलग हथियारबंद टीम को बिहार भेजा गया, जो आरोपी और नकदी को सुरक्षित जयपुर लेकर आई।

# दिल्ली में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा

## सफदरगंज में कोहरे के कारण दृश्यता शून्य रही तथा पालम में 100 मीटर दर्ज हुई

नयी दिल्ली, 18 जनवरी। राष्ट्रीय राजधानी के सफदरजंग में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य हो गई, जबकि पालम में यह 100 मीटर दर्ज की गयी।

मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली के कुछ हिस्सों में शीतलहर जारी है और कई केन्द्रों में न्यूनतम तापमान कम दर्ज किया गया है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रविवार सुबह सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस, पालम में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस और आया नगर में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विभाग ने कहा कि दिल्ली के कई हिस्सों में बहुत घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है और ऐसी स्थिति सुबह और रात के घंटों के दौरान जारी रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने मौजूदा स्थिति के मद्देनजर लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने के आसार हैं। इसके बाद अगले छह दिनों में तापमान धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने का अनुमान है। वहीं 21 और 22 जनवरी को सामान्य से नीचे और 19, 20 और 23 जनवरी को सामान्य से ऊपर रहेगा। अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने के आसार हैं, जिसके बाद यह सामान्य हो जाएगा। विभाग ने बताया है कि अगले सप्ताह के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में शीतलहर की संभावना नहीं है। मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ 18 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करता रहेगा, जबकि 19 और 21 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिम भारत में दो और विक्षोभ आने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार से पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।

**■ मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार-पाँच दिन उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।**

# 'प्रतीकात्मक रूप से भी नोबेल पुरस्कार हस्तांतरित नहीं किया जा सकता'

वाशिंगटन, 18 जनवरी। साल 2025 में शांति का नोबेल पुरस्कार जीतने वाली वेनेज़ुएला की नेता मारिया मचादो द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना प्राइज ट्रांसफर करने पर नोबेल कमेटी का बड़ा बयान सामने आया है। नोबेल फाउंडेशन ने कहा कि हमारा एक मुख्य उद्देश्य नोबेल पुरस्कारों की गरिमा और उनकी प्रशासनिक प्रक्रिया की रक्षा करना है। फाउंडेशन अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत और उसके प्रावधानों का सख्ती से पालन करता है। वसीयत में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिए जाएंगे, जिन्होंने "मानवजाति को सबसे बड़ा लाभ पहुंचाया हो"। कमेटी ने कहा कि यह भी निर्धारित किया गया है कि प्रत्येक पुरस्कार किस संस्था या समिति को प्रदान करने का अधिकार है।

# राज्य के 20 दिग्गज नेता भाजपा अध्यक्ष के प्रस्तावक बनेंगे

जयपुर, 18 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी के घोषित कार्यक्रम के अनुसार 19 जनवरी को नामांकन दाखिल किए जाएंगे, जबकि 20 जनवरी को परिणाम घोषित होंगे। मौजूदा समय में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन इस पद के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं और उनके निर्विरोध चुने जाने की संभावना जताई जा रही है।

नामांकन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रस्तावक के रूप में मौजूद रहने की संभावना है। इस पूरे चुनावी घटनाक्रम में राजस्थान की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए राजस्थान से पार्टी के करीब 20 वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं को प्रस्तावक बनाया गया है। इन नेताओं के हस्ताक्षर युक्त प्रस्तावों की सूची 18 जनवरी को दिल्ली भेजी जाएगी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ स्वयं यह सूची लेकर दिल्ली जाएंगे और इसे चुनाव अधिकारी को सौंपेंगे।

**■ प्रस्तावकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा, मदन राठौड़, वसुंधरा राजे, भूपेन्द्र यादव, गजेन्द्र शेखावत, अर्जुन मेघवाल, भागीरथ चौधरी, राजेन्द्र राठौड़, सतीश पूनिया, अल्का गुर्जर, अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी, घनश्याम तिवाड़ी व मंजू शर्मा शामिल हैं।**

प्रस्तावकों की सूची में राज्य सरकार, संगठन और केन्द्र सरकार से जुड़े बड़े नाम शामिल किए गए हैं। इनमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और भागीरथ चौधरी प्रमुख हैं।

इसके अलावा, संगठन और वरिष्ठ नेतृत्व का संतुलन साधते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अशोक परनामी और सीपी जोशी को भी प्रस्तावक बनाया गया है। राजस्थान से राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, मंजू शर्मा सहित, कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम भी सूची में शामिल हैं। फिलहाल जयपुर और दिल्ली में मौजूद नेताओं के हस्ताक्षर जुटाने की प्रक्रिया चल रही है। सभी हस्ताक्षर पूरे होते ही प्रस्तावकों की अंतिम सूची दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व को सौंप दी जाएगी।

# कोई नहीं ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

"एकनाथ शिंदे ने ताज होटल को जेल बना दिया है। वहां लगभग 25 से 29 पार्षदों को इस डर से बंधक बनाकर रखा गया है कि कोई उन्हें किडनैप कर लेगा या धमकाएगा।"

उन्होंने मांग की कि उन लोगों को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। संजय राउत ने भाजपा और शिंदे गुट के गठबंधन में दरार होने का संकेत देते हुए बड़ा दावा किया। राउत ने कहा कि कोई नहीं चाहता कि मुंबई में भाजपा का मेयर बने, यहां तक कि खुद एकनाथ शिंदे भी ऐसा नहीं चाहते।

उन्होंने यह कहकर खलबली मचा दी कि शिंदे गुट के कई पार्षद यूबीटी शिवसेना के संपर्क में हैं। राउत ने साफ कहा, "हमारे संपर्क में कई लोग हैं।"

# यूरोपीय ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को हासिल करने पर आमादा हैं। हालांकि डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने अपने आत्मनिर्णय के अधिकार पर जोर देते हुए इस विचार को खारिज कर दिया है।

बढ़ते तनाव के जवाब में, डेनमार्क ने ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है, जबकि जर्मनी, स्वीडन, फ्रांस, नॉर्वे और नीदरलैंड ने भी छोटी सैन्य टुकड़ियाँ भेजी हैं। यूरोपीय नेताओं ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के किसी भी अमेरिकी प्रयास का नाटो और अटलांटिक के दोनों ओर की सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

# पूर्णतया डॉलर पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

खुद को खतरे में पा सकती हैं।

भारत, जो अपने कच्चे तेल का चार-पांचवां (4/5) हिस्सा आयात करता है, रूस के साथ लंबे समय से डिफेंस संबंध बनाए रखता है और वेस्ट एशिया, अफ्रीका और यूरेशिया के साथ बढ़ता हुआ ट्रेड करता है, उसके लिए बिना रुकावट वाले पेमेंट चैनल पक्का करना एक स्ट्रेटेजिक चिंता बन गया है। ब्रिक्स ब्रिज को, इंटरनेशनल बैन का उल्लंघन किए बिना, या डिप्लोमैटिक टकराव को भड़काए बिना इस कमज़ोरी को कम करने के एक तरीके के तौर पर देखा जा रहा है।

इस प्लेटफॉर्म को खुद एक डिजिटल, मल्टीलेटरल सेटलमेंट मैकेनिज़्म के तौर पर देखा गया है, जो हिस्सा लेने वाले देशों को अपनी लोकल करेंसी में क्रॉस-बॉर्डर ट्रांज़ैक्शन करने की इजाज़त देता है, जिसमें बाद के स्टेज में सेंट्रल बैंक की डिजिटल करेंसी को इंटीग्रेट करने की क्षमता है। स्विफ्ट के विपरीत, जो मुख्य रूप से फाइनेंशियल मैसेजिंग की सुविधा देता है और अभी भी वेस्टर्न बैंकों के ज़रिए डॉलर क्लियरिंग की ज़रूरत होती है, ब्रिज का मकसद फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के बीच डायरेक्ट सेटलमेंट को मुमकिन बनाना है। थ्योरी के हिसाब से, इससे इंडियन इंपोर्टर और एक्सपोर्टर न्यूयॉर्क या लंदन के ज़रिए भुगतान भेजे बिना लेनदेन कर सकेंगे।

यह तरीका भारत की हालिया पॉलिसी ट्रैजेक्टरी से काफी मिलता-जुलता है। पिछले कुछ सालों में, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने इंटरनेशनल ट्रेड में रुपये के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए सावधानी भरे कदम उठाए हैं, जैसे रुपए में सैटलमैंट की व्यवस्था, द्विपक्षीय व्यापार के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते और डिजिटल रुपए का पायलट प्रोजैक्ट। इसलिए ब्रिक्स ब्रिज भारत की फाइनेंशियल स्ट्रैटेजी से कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि करेंसी डाइवर्सिफिकेशन की दिशा में इसके धीरे-धीरे और सोच-समझकर किए गए प्रयासों का एक लॉजिकल एक्सटेंशन है।

ब्रिक्स फाइनेंशियल इनिशिएटिव में भारत की भागीदारी हमेशा से संयम से पहचानी गई है। चीन या रूस के विपरीत, नई दिल्ली दुनिया की रिज़र्व करेंसी के तौर पर डॉलर को बदलने की कोशिश नहीं कर रहा है और न ही वह डी-डॉलराइज़ेशन को पश्चिम के साथ जियोपॉलिटिकल मुकाबले के तौर पर देखना चाहता है। इसके बजाय, भारत का मकसद रिस्क मैनेजमेंट है। दूसरे पेमेंट सिस्टम को सपोर्ट करके, वह यह पक्का करना चाहता है कि ऊर्जा, उर्वरक, रक्षा उपकरण और अन्य जरुरी वस्तुओं का व्यापार भू-राजनीतिक तनाव के समय भी जारी रह सके। रुस से रियायती तेल की बढ़ी हुई खरीद के दौरान यह साफ दिखा, जब बैन से जुड़ी रुकावटों के बावजूद ट्रेड को चालू रखने के लिए नए सेटलमेंट मैकेनिज़्म बनाने पड़े। ट्रेड से जुड़े साफ़ फायदे भी हैं। ब्रिक्स मेंबर्स और बड़े ग्लोबल साउथ के साथ भारत का इकोनॉमिक जुड़ाव लगातार बढ़ा है, और इनमें से कई अर्थव्यवस्थाओं को डॉलर की लगातार कमी या ग्लोबल लिक्विडिटी तक, अस्थिर एक्सेस का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय मुद्रा में सेटलमेंट का प्लेटफॉर्म ट्रांज़ैक्शन कॉस्ट कम कर सकता है, डॉलर के उतार-चढ़ाव का रिस्क कम कर सकता है और भारतीय बिज़नेस, खासकर छोटे और मीडियम एक्सपोर्टर्स, जो नए मार्केट में एंट्री करना चाहते हैं, के लिए सेटलमेंट साइकिल को छोटा कर सकता है।

साथ ही, भारत ब्रिक्स के अंदर के समीकरणों को लेकर बहुत ज़्यादा सतर्क है। चीन डी-डॉलराइज़ेशन का सबसे मुखर समर्थक बनकर उभरा है और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों को, युआन को इंटरनेशनलाइज़ करने के एक टूल के तौर पर देखता है। हालांकि, भारत ऐसे किसी भी फ्रेमवर्क से सावधान है, जो युआन-डोमिनेटेड इकोसिस्टम में बदल सकता है। यही वजह है कि नई दिल्ली ब्रिक्स ब्रिज के लिए बहुमुद्रा और नियम आधारित ढांचे पर जोर देती है और तेज विस्तार के बजाय धीरे-धीरे आगे बढ़ना पसंद करती है। भारतीय पॉलिसी बनाने वाले भी इस प्लेटफॉर्म की सीमाओं को समझते हैं। ब्रिक्स ब्रिज स्विफ्ट का विकल्प बनने से बहुत दूर है। कई सदस्य देशों में गहरे और लिक्विड फाइनेंशियल मार्केट की कमी, असमान रेगुलेटरी स्टैंडर्ड, करेंसी में उतार-चढ़ाव और साइबर सिक्योरिटी और डेटा गवर्नेंस से जुड़े अनसुलझे सवाल, ये सभी इसकी तुरंत उपयोगिता को सीमित करते हैं। भारत का अपना कैपिटल अकाउंट भी पूरी तरह से कन्वर्टिबल नहीं है, जिससे यह सीमित हो जाता है कि रुपये को कितनी आक्रामकता से ग्लोबल मंच पर आगे बढ़ाया जा सकता है।

फिर भी भारत के लिए, यह पहल एक और महत्वपूर्ण मकसद पूरा करती है। यह रुपये की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भूमिका का टेस्ट करने के लिए एक कंट्रोल्ड माहौल प्रदान करती है, जिसके लिए रिजर्व-करेंसी का दर्जा पाने की इच्छा रखने के बजाय, खुले कैपिटल मार्केट और लगातार करंट-अकाउंट सरप्लस की आवश्यकता होती है। भारत व्यापार और सेटलमेंट में रुपये के फंक्शनल उपयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस दिशा में मामूली फायदे भी विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करते हैं और मैक्रोइकोनॉमिक लचीलेपन को मजबूत करते हैं।

आखिरकार, ब्रिक्स ब्रिज को डॉलर के लिए एक बड़े चैलेंज के रूप में कम और लंबे समय के इरादे के संकेत के रूप में अधिक देखा जाना चाहिए। भारत की रणनीति क्रांतिकारी नहीं, बल्कि विकासात्मक है। यह मौजूदा ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम में मजबूती से बने रहते हुए चुपचाप विकल्प बनाने के बारे में है।

डॉलर शायद, दशकों तक नहीं, तो सालों तक अपना दबदबा बनाए रखेगा। लेकिन भारत, कई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं की तरह, अब नहीं चाहता कि उसका सारा फाइनेंशियल फ्लो एक ही गेटकीपर से होकर गुजरे। ब्रिक्स ब्रिज, भले ही अभी सीमित और शुरुआती चरण में हो, लेकिन यह फायनैंस में रणनीतिक स्वायत्तता की भारत की व्यापक कोशिश को दर्शाता है, जैसा उसका रवैया कूटनीति और रक्षा में भी रहा है, जहां लचीलापन, संतुलन और विकल्प, विचारधारा या टकराव से ज्यादा मायने रखते हैं।

# त्रिवेणी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

श्रद्धालुओं का साथ दिया और खिली-खिली धूप में लोग स्नान करते रहें। प्रशासन की तरफ से बताया गया कि आज शाम पांच बजे तक चार करोड़ से ज्यादा लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। स्नान करने वाले लोगों पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई।

मौनी अमावस्या का स्नान सबसे बड़ा स्नान पर्व होता है। मेला प्राधिकरण का अनुमान था कि आज के दिन तीन से साढ़े तीन करोड़ लोग स्नान करेंगे लेकिन दो बजे तक ही तीन करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया था।

लिहाज़ा ये आकड़ा और बढ़ेगा, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार कल देर रात 12 बजे से ही घाट पर डटे रहे और खुद ही पूरी व्यवस्था की निगरानी करते रहे।

# ट्रंप ने ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

प्रस्ताव पर भारत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यदि भारत इस पहल में शामिल होता है, तो यह पश्चिम एशिया में शांति प्रक्रिया में उसकी भूमिका को और मजबूत कर सकता है।

# संयुक्त अरब ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

प्रदान से मिली मज़बूत गति पर आधारित है, जिसमें सितंबर 2024 में अबू धाबी के शहजादा शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की यात्रा और पिछले वर्ष अप्रैल में अमीरात के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री तथा दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की यात्रा शामिल हैं। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच घनिष्ठ और बहुआयामी संबंध हैं, जो मज़बूत राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों पर आधारित हैं। दोनों देश एक-दूसरे के शीर्ष व्यापार और निवेश साझेदारों में से हैं, जिन्हें व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते, स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली और द्विपक्षीय निवेश संधि से बढ़ावा मिला है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मज़बूत ऊर्जा साझेदारी भी है, जिसमें दीर्घकालिक ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था शामिल है।

# तृणमूल सरकार ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

प्रधानमंत्री ने बालागढ़ में बनने वाले एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम (समुद्री बंदरगाह के गेट को बंदरगाह से बढ़ाना) का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे हुगली और आसपास के क्षेत्रों में नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे।

कोलकाता शहर पर ट्रैफिक और लॉजिस्टिक का दबाव कम होगा और गंगा जलमार्ग के जरिए कार्गो मूवमेन्ट में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार बहुस्तरीय संपर्क और हरित चालन (ग्रीन मोबिलिटी) पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि बंदरगाह, नदी जलमार्ग, राजमार्ग और हवाई अड्डे एक-दूसरे से जुड़ें और किराया लागत तथा समय दोनों में कमी आए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल सरकार केंद्र की योजनाओं को जानबूझकर लागू नहीं होने देती। उन्होंने राजधानी दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी एक सरकार आयुष्मान भारत योजना को रोक रही थी, लेकिन जनता ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया और अब दिल्ली में गरीबों को मुफ्त इलाज मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बंगाल में भी भाजपा की सरकार जरूरी है, ताकि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ सीधे गरीबों तक पहुंचे।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908